हरिभूमि

इस्पात भूमि

रायपुर, मंगलवार 13 अक्टूबर 2026

तापमान

अधिकतम 32.2 डिग्री

न्यूनतम 21.0 डिग्री

02 30% से ज्यादा ऐसे आवास, जिनका हो रहा कमर्शियल...



03 बरसात थमी, अब जोरों से चल रही खारून ....



पश्चिम बंगाल के दानकुनी से गुजरात के सूरत तक बन रहे नए ट्रेन कॉरिडोर के लिए जमीन की खरीदी-बिक्री पर लगी रोक हटी

हरिभूमि न्यूज ⏭दुर्ग

दुर्ग जिले के 25 ग्रामीण क्षेत्रों को मिली राहत, 5 जून 2026 को लगाई गई थी रोक, कलेक्टर ने जारी किया आदेश

ईस्ट-वेस्ट डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर परियोजना के प्रस्तावित अलाइनमेंट में आने वाली दुर्ग जिले की 25 गांवों की जमीन के खाता विभाजन, अंतरण, व्यपवर्तन और खरीदी-बिक्री पर लगाया गया प्रतिबंध हटाने का आदेश जारी किया गया है।

परियोजना प्रबंधन की मांग पर जिला प्रशासन ने पूर्व में जारी प्रतिबंधात्मक आदेश को समाप्त करने की कार्रवाई की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार परियोजना प्रबंधक रायपुर ने 3 जून 2026 को पत्र जारी कर दुर्ग जिले में प्रस्तावित ईस्ट-वेस्ट डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर दानकुनी-सूरत के अलाइनमेंट में आने वाली भूमि के संबंध में आवश्यक प्रतिबंध लगाने का अनुरोध किया था। इसके आधार पर दुर्ग जिले के अंतर्गत आने वाले 25 गांवों की भूमि के खाता विभाजन, अंतरण, व्यपवर्तन और खरीदी-बिक्री पर प्रतिबंध लगाया गया था। इस संबंध में 3 जून और 5 जून 2026 को आदेश जारी किए गए थे। बाद में डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड की ओर से 16 सितंबर और 22 सितंबर 2026 को पत्र भेजकर प्रभावित गांवों में भूमि संबंधी प्रतिबंधों को अंतिम रूप से हटाने का अनुरोध किया गया।

इसके बाद जिला प्रशासन ने पूर्व में जारी प्रतिबंधात्मक आदेश को समाप्त करने का निर्णय लिया है। आदेश के अंतर्गत दुर्ग के बिरेझर, चंगोरी, कोनारी, चंदखुरी, हनोदा, खम्हरिया, उमरपोटी, उतई, डुमरडीह, पाटन के परेवाडीह, पंहडोर, औंधी, मगरघटा, बेन्द्री, नारधी, महकाकला, महकाखुर्द, कुरूदडीह, बटंग और भिलाई-3 के सोमनी, सिरसाकला, परसदा (पाहंदा), गनियारी, देवबालोदा, उरला से प्रभावित भूमियों के खाता विभाजन, अंतरण, व्यपवर्तन, खरीदी-विक्री आदि पर लगाये गये प्रतिबंध को समाप्त कर दिया है। आदेश तत्काल प्रभावशील होगा।

बेहतर ट्रांसपोर्टिंग व्यवस्था के लिए तैयार की गई है कार्ययोजना

जानकारी के मुताबिक ईस्ट-वेस्ट डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (दानकुनी-सूरत) 2,100 किलोमीटर लंबा होगा। यह दानकुनी से सूरत तक पश्चिम बंगाल, झारखंड, ओडिशा, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र और गुजरात से होकर गुजरेगा। इससे पूर्वी और पश्चिमी भारत के बीच माल ढुलाई तेज और आसान होगी। मालगाड़ियों का समय बचेगा और मौजूदा रेल मार्गों पर भीड़ कम होगी। इसमें उच्च क्षमता की बिजली व्यवस्था, बिना किसी लेवल क्रॉसिंग के ट्रैक और कवच जैसी आधुनिक सिग्नलिंग प्रणाली शामिल करने पर विचार किया जा रहा है, ताकि सुरक्षा बढ़े और अधिक माल ढुलाई हो सके। इससे गुजरात और महाराष्ट्र के बंदरगाहों तक माल की आवाजाही तेज होगी। मालगाड़ियों के लिए अलग ट्रैक बनने से सामान्य रेल मार्गों पर ट्रैफिक और यात्री ट्रेनों का दबाव कम होगा। डबल स्टैक कंटेनर और हाई-स्पीड फ्रेट संचालन से लॉजिस्टिक लागत और समय में भारी कमी आएगी।

नवरात्रि विशेष



तृतीय : चंद्रघंटा

मां दुर्गा का तीसरा शक्ति स्वरुप है चंद्रघंटा। नवरात्रि के तीसरे दिन मां के इसी रुप का पूजन होता है। माता का यह रुप परम शांतिदायक और कल्याणकारी है। इनके माथे पर घंटे के आकार का अर्धचंद्र है। इसी से इन्हें चंद्रघंटा देवी कहा जाता है। इनके शरीर का वर्ण सोने के समान है। उनके दस हाथ हैं। इनका वाहन सिंह है। इनकी पूजा से भक्तों में वीरता, निर्भयता और विनम्रता आती है। नवरात्रि के तीसरे दिन की पूजा का अत्यधिक महत्व माना जाता है। हमें मन-वचन-कर्म और काया की विधि विधान के अनुसार पवित्र करके ही मां की पूजा करनी चाहिए। इससे संसार के सारे कष्ट मिटते हैं और साधक को मोक्ष की प्राप्ति होती है। तीसरे नवरात्र को भक्त का मन मणिपुर चक्र में प्रविष्ट होता है। मां की कृपा से उसे अलौकिक वस्तुओं की प्राप्ति होती है। विविध प्रकार की ध्वनियां सुनाई देती है। मां की कृपा से सारे पाप और संकट दूर होते हैं। इनके घंटे की आवाज प्रेत बाधाओं से सदा भक्तों की रक्षा करती है। मां चंद्रघंटा के भक्त जहां भी जाते हैं। उन्हें देखकर अन्य व्यक्ति सुख और शांति का अनुभव करते हैं। मां अपने आशीर्वाद से भक्तों को सदैव शुभफल देने वाली है। माता के इस रुप की आराधना का मंत्र इस प्रकार है। पिंडजप्रवारुढ़ा चंडकोपास्त्रकैर्युता। प्रसादं तनुते महाचंद्रघंटेति विश्रुता ॥

लोक निर्माण विभाग का दावा : वन विभाग और राजस्व विभाग से विधिवत अनुमति लेकर की जा रही कटाई

सड़क चौड़ीकरण के लिए हरे-भरे पेड़ों पर चली कुल्हाड़ी, नाली बनाने गड्ढा खोदा, मलबा सड़क पर

हरिभूमि न्यूज ⏭दुर्ग

3.41 करोड़ रुपए की लागत से करीब 480 मीटर सड़क का किया जा रहा निर्माण, लोगों के लिए बना परेशानी का सबब

धमधा नाका अंडर ब्रिज से लेकर अग्रसेन चौक तक करीब 3.41 करोड़ रुपए की लागत से सड़क का चौड़ीकरण किया जा रहा है। करीब 480 मीटर लंबी इस सड़क पर दोनों तरफ 20 से ज्यादा छोटे-बड़े हरे-भरे पेड़ लगे हैं। इसमें पीपल, बरगत से लेकर अन्य छायादार पेड़ हैं।

इन पेड़ों को पिछले कुछ दिनों से लगातार काटा जा रहा है। इसके लिए आधुनिक मशीनों का भी इस्तेमाल किया जा रहा है। पेड़ों को बेदर्दी से काट जा रहा है। इसकी शिफ्टिंग को लेकर प्रयास ही नहीं किया गया। इतना ही नहीं इसके करीब ही नालियों का निर्माण किया जा रहा है। इसके लिए गड्ढा खोदकर मलबा सड़क पर ही छोड़ दिया गया है। इसकी वजह से लोगों को आवाजाही में खासी परेशानी उठानी पड़ रही है। इसे लेकर शिकायत भी की जा रही है, लेकिन समस्याओं का निराकरण नहीं हो पा रहा है। बता दें कि सड़क चौड़ीकरण का काम लोक निर्माण विभाग द्वारा किया जा रहा है। विभागीय अधिकारियों ने बताया कि पेड़ों का पहले भौतिक सत्यापन कराया गया। इसके बाद वन विभाग की अनापत्ति के बाद राजस्व विभाग ने अनुमति जारी की है। इसकी जगह अन्य जगहों पर पौधे रोपे जाएंगे। बहरहाल पेड़ों की कटाई बदस्तूर जारी है। स्थानीय लोगों ने बताया कि लगे पेड़ 60 से 70 साल पुराने हैं। बता दें कि पूर्व में दुर्ग निगम ने शहर के गौरवपथ, मेनोनाइट चर्च, महमरा रोड के पेड़ों को शिफ्ट कराया था। ये पेड़ आज भी ठगड़ा बांध क्षेत्र में हरियाली बिखेर रहे हैं। इस बार ऐसा कोई भी प्रयास शासन-प्रशासन द्वारा नहीं किया गया है।





दो साल पहले चौड़ीकरण में आड़े आ रहे पेड़ों को किया गया था शिफ्ट

दो साल पहले पर्यावरण संरक्षण की दिशा में दुर्ग निगम ने मिसाल पेश की थी। सड़क चौड़ीकरण की जद में आ रहे वर्षों पुराने पेड़ों को काटने की बजाए उन्हें शिफ्ट किया गया। ऐसे 9 पेड़ शिफ्ट किए गए। इनमें गौरव पथ से चर्च रोड, राजेंद्र पार्क चौक और महमरा एनीकट मार्ग में लगे पेड़ शामिल थे। ज्यादातर पेड़ों की आयु 30 से 40 साल थी। ऐसे में इन्हें काटने के बाद उसके एवज में नए पौधे रोपे जाते तो उन्हें तैयार होने में ही 5 से 10 साल लग जाएंगे। लिहाजा पूर्व महापौर धीरज बाकलीवाल के प्रयासों से निगम प्रशासन ने इन्हें काटने की बजाए शिफ्ट करने का निर्णय लिया। सभी 9 पेड़ों को ठगड़ा बांधा शिफ्ट किया गया। इन पेड़ों में अर्जुन के दो पेड़ (85 साल) और एक पीपल का पेड़ (30 साल) को ठगड़ा बांध शिफ्ट किया गया। इसके लिए निगम प्रशासन ने प्राइवेट एजेंसी को हायर किया है। जिसके मार्गदर्शन में पेड़ों की शिफ्टिंग की जा रही है। ट्री सर्जन नेहा बंसोड़ के मुताबिक पुराने पेड़ों की शिफ्टिंग करने के पहले उनकी हाइट को तकरीबन आधा करना होता है। उसके बाद जिस जगह उसे शिफ्ट किया जाता है, वहां पहले तीन महीने उसके लिए काफी कठिन होते हैं। वहीं साल भर तक उस पर बारीक नजर रखनी होती है।

टाउनशिप के सेक्टर-1 में छायादार आम के पेड़ को ही काट दिया



भिलाई। टाउनशिप के सेक्टर-1 सड़क नंबर 14 में पिछले दिनों एक आम के हरेभरे पेड़ को काटा गया। खबर है कि इसकी कहीं कोई अनुमति नहीं ली गई। सारे नियम-कायदों को ताट कर पर रखकर पेड़ को काट दिया गया। आसपास के लोगों ने जब इस बारे में पूछा तो संबंधित व्यक्ति ने कहा कि बस कटवा रहे हैं। काटा गया पेड़ करीब चालीस साल पुराना था। सेक्टर एक के पूर्व पखवाड़ेभर पहले प्रियदर्शिनी परिसर अंडरब्रिज सेक्टर 6 तिराहे के निकट भी एक बड़े पेड़ पर कुल्हाड़ी चलाई गई थी। रहवासियों ने बताया कि पेड़ कटाई कर यहां एक बड़ा होर्डिंग लगाया गया है। इसके पूर्व बोरिया गेट रेट पर चोपड़ा पेट्रोल पंप के निकट भी कुछ लोगों ने दो पेड़ों को काटकर हाथ ठेले से लकड़ी को ले गए थे। बता दें कि आम और पीपल जैसे पेड़ों को काटने के लिए वन विभाग या संबंधित स्थानीय निकाय, राजस्व विभाग से अनुमति लेना अनिवार्य है। बिना अनुमति के इन्हें काटना कानूनी अपराध माना जाता है। छत्तीसगढ़ के मुख्य नियम (छत्तीसगढ़ भू-राजस्व संहिता, 1959 एवं वृक्ष कटाई नियम, 2022) निजी या सरकारी जमीन पर पेड़ काटने के लिए राजस्व विभाग की आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन करना होता है। प्रति एकड़ प्रति वर्ष अधिकतम 4 प्राकृतिक पेड़ और प्रति खाताधारक प्रति वर्ष अधिकतम 10 पेड़ काटने की सीमा तय है। जलस्त्रोत, तालाब, झरने के किनारे (20 मीटर के भीतर) और वन महोत्सव या सरकारी योजनाओं के तहत लगाए गए पेड़ों को काटना पूरी तरह प्रतिबंधित है। नियमों के तहत एक पेड़ काटने पर उसकी भरपाई के लिए 10 नए पौधे लगाने या उसका खर्च, जमानत राशि जमा करने का नियम है। भारतीय वन अधिनियम और राज्य वृक्ष संरक्षण अधिनियमों के तहत बिना अनुमति पेड़ काटने पर जुर्माना 1,000 से लेकर 5 लाख तक या प्रति पेड़ और जेल की सजा 6 महीने से लेकर 3 साल तक हो सकती है।

वाहन खड़े करने को लेकर विवाद, मारपीट



भिलाई। घर के सामने वाहन खड़े करने को लेकर महिला व उसके भाई के साथ हाथ मुक्कों से हमला करने के मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। सुपेला पुलिस ने बताया कि नेहा सिंह ने शिकायत की है कि वह अपने परिवार के साथ सुपेला में रहती है। उसका पड़ोसी सरजीत सिंह द्वारा उसके घर के गेट के सामने स्कूटी एवं बुलेट वाहन खड़ा किया गया था। वाहन को हटने के लिए बोलने पर सरजीत विवाद करने लगा। आरोप है कि आरोपी ने गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद पीड़िता ने अपने भाई गौतम सिंह को मौके पर बुलाया। गौतम सिंह ने गाली-गलौज करने से मना करने पर आरोपी ने उस पर भी हमला कर दिया। घटना में महिला के बाएं कंधे एवं छाती में कटने की चोट, भाई के बाएं बाजू में चोट आई है। सूचना के बाद पुलिस ने सरजीत सिंह को गिरफ्तार किया है।

स्टोर रूम में चोरी करने वाले पकड़ाए

भिलाई। स्टोर रुम से सामान पार करने वाले दो विधि बालकों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। अंजोरा पुलिस ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर दबिश देकर दो अपचारी बालको को पकड़ा गया। उनके पास से पुलिस ने टुल्लू मशीन, कटर मशीन, लोहे की हथौड़ी, साइकिल, सब्बल एवं अन्य औजार जब्त किया है। विवेचना के दौरान पुलिस ने बालकों से पूछताछ करने पर घटना को अंजाम देना स्वीकार किया है। दोनों बालकों को किशोर न्याय बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत किया है।

निर्माणाधीन मकान से चोरी, कबाड़ी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई



निर्माणाधीन से चोरी करने के मामले में कबाड़ी के पास से कॉपर वायर बरामद कर उसे पकड़ा गया है। पुलिस ने बताया कि मो. आजाद ने शिकायत किया था कि उसके निर्माणाधीन मकान से बिजली वायर, 7 बंडल कॉपर वायर, नल की टोटियां चोरी करने के मामले में चोरी का माल खरीदने वाले कबाड़ी पावर हाउस निवासी मनोज गुप्ता को गिरफ्तार किया गया। वहीं दो विधी बालको से पूछताछ किया जा रहा है। कॉपर वायर को तीन अन्य चोरियों के कॉपर वायर के साथ 40 हजार रुपये में बेचने की जानकारी सामने आई। घटना बालाजी चौक, कृष्णा नगर, देवांगन होटल के पास स्थित निर्माणाधीन मकान से अज्ञात व्यक्तियों द्वारा बिजली वायर, कॉपर वायर, नल की टोटियां चोरी हुई थी। पूर्व में गिरफ्तार आरोपी लोकेश ठाकुर, समीर कुमार डहरे से पूछताछ की जा रही है।

हड्डियां टूटने पर परिजन आक्रोशित, प्रसव के दौरान महिला के साथ अमानवीय व्यवहार को लेकर बैठी जांच

हरिभूमि न्यूज ⏭दुर्ग



जिला अस्पताल के मदर-चाइल्ड यूनिट में प्रसव के दौरान लापरवाही के कारण नवजात की हालत बिगड़ गई और उसके शरीर की हड्डियां टूट गईं। जन्म के बाद से ही बच्चे की स्थिति गंभीर बनी हुई है। आक्रोशित परिजनों ने सोमवार को जिला अस्पताल पहुंचकर अपना बयान दर्ज करवाया। मामले को लेकर परिजनों ने सिविल सर्जन डॉ. मनोज बनी के सामने अपनी शिकायत दर्ज कराई और पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

परिजनों के मुताबिक, पिछले 10 दिनों से बच्चा जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष कर रहा है। फिलहाल उसे एक निजी अस्पताल में वेंटिलेटर पर रखकर उपचार दिया जा रहा है। परिजनों के अनुसार, नवजात का वजन करीब 3.8 किलोग्राम था। जिला अस्पताल में प्रसव के दौरान कथित तौर पर लापरवाही बरती गई। उनका आरोप है कि प्रसव के बाद बच्चे की हालत बिगड़ गई और उसके शरीर की हड्डियां टूट गईं। परिवार का यह भी आरोप है कि प्रसव के दौरान महिला के साथ अमानवीय व्यवहार किया गया। सिविल सर्जन ने मामले की जांच के लिए दो सदस्यीय टीम गठित करने की बात कही है। बताया गया है कि जांच में मदर-चाइल्ड यूनिट के चिकित्सकों को शामिल किया गया है।

म्यूल अकाउंट रकम ट्रांसफर करने वाला पकड़ाया

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई



देशभर में म्यूल खाते के रकम का ट्रांसफर कर साइबर ठगी करने वाले को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि बंधन बैंक के 172 खातों के दुरुपयोग से जुड़े प्रकरण में गृह मंत्रालय के समन्वय पोर्टल से प्राप्त जानकारी के आधार पर पुलिस ने अपराध कायम किया। इस मामले में पुलिस ने अब तक 33 आरोपी पुलिस गिरफ्त में आ चुके है। सुपेला में बंधन बैंक के 172 खाताधारकों से साइबर ठगी के प्रकरण में बैंक खातों का उपयोग देश के राज्यों में साइबर ठगी से मिले रकम को जमा करने और ट्रांसफर करने के लिए किया जा रहा था। जांच में शंकर पारा, शीतला तालाब के पास, अम्बे चौक, सुपेला निवासी प्रकाश मंगराज को पकड़ा गया है। दुर्ग पुलिस आम नागरिकों से अपील करती है कि अपना बैंक खाता, एटीएम कार्ड, पासबुक, बैंकिंग संबंधी गोपनीय जानकारी किसी अनजान व्यक्ति को उपलब्ध न कराएं। कमीशन या अन्य आर्थिक लाभ के लालच में अपना बैंक खाता अन्य व्यक्ति को उपयोग करने के लिए देना साइबर अपराध की श्रेणी में आता है। खाते में किसी संदिग्ध लेन-देन की जानकारी मिलने पर बैंक एवं पुलिस को सूचित करें।

शास्त्री अस्पताल में कुत्ते फैला रहे मेडिकल वेस्ट

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

अस्पताल के वार्डों में ठोस अपशिष्टों का उठाव नहीं होने से बढ़ी परेशानी



लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल सुपेला में कचरा प्रबंधन की समस्या सामने आ रही है। अस्पताल से निकलने वाले कचरे और ठोस अपशिष्टों का नगर निगम द्वारा नियमित उठाव नहीं किए जाने की शिकायत है। परिसर में जमा कचरे को आवारा कुत्ते इधर-उधर फैलाकर गंदगी बढ़ा रहे हैं।

अस्पताल परिसर में मरीजों और उनके परिजनों के साथ स्वास्थ्यकर्मियों की भी आवाजाही रहती है। ऐसे में कचरे का समय पर उठाव नहीं होना और उसका पूरे परिसर में फैलना परेशानी का कारण बन गया है। अस्पताल में साफ-सफाई बनाए रखना बेहद जरूरी है, क्योंकि यहां रोजाना बड़ी संख्या में मरीज उपचार के लिए पहुंचते हैं। कचरा उठाव में लापरवाही के कारण परिसर में गंदगी फैलने की स्थिति बनी हुई है। आवारा कुत्तों द्वारा कचरे को इधर-उधर खींचकर फैलाए जाने से समस्या और बढ़ रही है। ऐसे में अस्पताल प्रबंधन और ननि के बीच समन्वय बनाकर कचरे का नियमित उठाव सुनिश्चित करना जरूरी है। अस्पताल से निकलने वाले कचरे का समय पर संग्रहण और उठाव होना चाहिए। साथ ही कचरे को खुले में रखने के बजाय सुरक्षित स्थान पर रखा जाना जरूरी है, ताकि आवारा पशु उसे फैला न सकें। अस्पताल से निकलने वाले सामान्य कचरे और जैव चिकित्सा अपशिष्ट का पृथक प्रबंधन भी आवश्यक है।

कालड़ा बर्न एवं प्लास्टिक कॉस्मेटिक सर्जरी सेंटर
कॉस्मेटिक सर्जरी
झुर्रियां, झांई, दाग, तिल, अनचाहे बाल आदि (आधुनिक लेजर द्वारा), मुहांसे, दाग, नाक, होंठ, ठोड़ी, वक्ष, पेट आदि (प्लास्टिक सर्जरी द्वारा) तथा अंग कटने-जलने की
अति विशेष चिकित्सा.
आर.के.सी.के सामने, चौबे कालोनी एवं पचपेढ़ी नाका, धमतरी रोड, कलर्स मॉल के पास, रायपुर
कॉल : 9827143060/8871003060
Ajay Advt.





रिटेंशन किराया वृद्धि : राहत नहीं मिलने पर निगम चुनाव में भाजपा को हराने का ऐलान

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

टाउनशिप में बीएसपी द्वारा सेवानिवृत्त बीएसपी कर्मचारियों की बेतहाशा आवासीय किराया वृद्धि को अब तक वापस नहीं लिए जाने से दोतरफा आक्रोश बढ़ रहा है। रिटेंशनधारियों में प्रबंधन की उदासीनता के साथ जन प्रतिनिधियों के कोरे आश्वासन को लेकर भी असंतोष है। भिलाई सहित चार नगर निगम चुनाव की आचार संहिता लागू होने के पहले तक किराया वृद्धि वापस नहीं लेने पर आंदोलन के साथ इसे बड़ा चुनावी मुद्दा बनाकर जन जन तक ले जाने का ऐलान किया गया है।

उल्लेखनीय है कि पिछले दिसंबर महीने से रिटेंशनधारियों का 32 गुना किराया वृद्धि करने के साथ इस स्कीम को ही बंद कर दिया गया है। इनके साथ ही लायसेंसी आवासधारियों का आगे रिन्यू करने के साथ प्रबंधन द्वारा आवास खाली करने नोटिस दिए जा रहे है। इसका पुरजोर विरोध करते हुए पिछले दस महीने से रिटेंशनधारी किराया वृद्धि वापसी की मांग को लेकर धरना, प्रदर्शन, रैली आदि से प्रबंधन व जन प्रतिनिधियों पर दबाव बना रहे हैं। मांग पूर्ण नही होने पर बीएसपी सेवानिवृत्त कार्मिक कल्याण संघ द्वारा दिसंबर में होने वाले भिलाई नगर निगम चुनाव लड़ने की घोषणा की है।

भिलाई में पार्षद व महापौर चुनाव के साथ रिसाली व भिलाई तीन चरौदा निगम व जामुल पालिका में भी हर वार्ड से पार्षद चुनाव में भाजपा को हराने की चेतावनी दी गई है। कार्मिक कल्याण संघ 14 अक्टूबर के बाद चुनाव की तैयारी तेज करने की घोषणा की है। संघ के मुताबिक प्रबंधन के अड़ियल रवैये व जन प्रतिनिधियों के कोरे आश्वासन से रिटेंशनधारियों में आक्रोश बढ़ रहा है।

निराकरण नहीं होने पर आंदोलन के साथ चुनाव तैयारी तेज करने की भी कवायद



पायोनियर मान्यूमेंट में एकजुट हुए गुस्साए रिटेंशनधारी

भारीभरकम किराया वृद्धि वापस नहीं होने से आवासधारी एकजुटता से विरोध विरोध मुहिम छेड़े हुए हैं वहीं 15 से 20 हजार रुपए मासिक किराया आने से मजबूर होकर कई रिटेंशनधारी आवास खाली करने मजबूर हो रहे हैं। अब तक करीब ढाई सौ आवासधारी मकान खाली कर चुके हैं। इससे उनमें आक्रोश बढ़ रहा है। आज सोमवार को पायोनियर मान्यूमेंट में सेवानिवृत्त कार्मिक कल्याण संघ की हुई बैठक में रिटेंशधारियों ने ऐलान किया कि निगम चुनाव की आचार संहिता लगने पूर्व तक यदि रिटेंशन किराया वृद्धि वापस नहीं ली गई तो पुरजोर विरोध के साथ नगर निगम चुनाव में भाजपा को हराने मुहिम तेज की जाएगी। भिलाई से भाजपा नेता सुमन कन्नौजे को कार्मिक कल्याण संघ के बैनर तले प्रत्याशी घोषित किया गया है। संघ के संयोजक सुरेशचंद ने बताया कि सांसद विजय बघेल से कई बार मिलने के बाद सिर्फ आश्वासन मिला रहा है, अन्य जन प्रतिनिधि भी राहत नहीं दिलवा पा रहे हैं। वयोवृद्ध रिटेंशधारियों को बेघर होने की चिंता बढ़ रही है।

खबर संक्षेप

हॉकी मैदान में 14 और 15 को गरबा

दुर्ग। नवनिर्माण समिति द्वारा सिविल लाइन स्थित हॉकी मैदान में 14 और 15 अक्टूबर को गरबा का आयोजन किया गया है। आयोजक और पूर्व महापौर धीरज बाकलीवाल ने बताया कि आयोजन का यह तीसरा वर्ष है। इस वर्ष गरबा के उद्घाटन समारोह में **आईएनएच और हरिभूमि के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी** मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। वे आयोजन का उद्घाटन करेंगे। इस आयोजन में पूरे शहर को आमंत्रित किया गया है। आयोजन को लेकर तैयारियां पूरी कर ली गई है।

धर्मपुरा में कवि सम्मेलन 17 अक्टूबर को

दुर्ग। शारदेय नवरात्रि के अवसर पर धर्मपुरा के ग्रामीणजनों के द्वारा साहू पारा में मां दुर्गा की मूर्ति स्थापित कर सेवा गीत गाकर हिन्दू धर्म की ध्वजा को सतत लहराने का यथोचित काम किया जा रहा है। इसी तारतम्य में समिति ने 17 अक्टूबर को रात 8 बजे से कवि सम्मेलन का आयोजन किया है। इस कवि सम्मेलन में भिलाई से वरिष्ठ कवि व व्यंग्यकार रवि श्रीवास्तव व छत्तीसगढ़ी भाखा के शीर्ष गीतकार बलराम चंद्राकर, दुर्ग से हास्य विधा के प्रणेता डॉ. संजय दानी व ग़ज़ल कार शाद बिलासपुरी ग्राम निकुम से छत्तीसगढ़ी गीतकार प्यारेलाल देशमुख व धमधा से वरिष्ठ हास्य कवि रामदेव शर्मा अपनी कविताओं से धर्मपुरा की धरती व वहां के निवासियों के दिलों में आनंद व खुशियों की लहरें प्रवाहित करने का प्रयास करेंगे। धर्मपुरा दुर्गा समिति के मुखिया भागवत साहू ने कहा कि हम इस कार्यक्रम में आसपास के 5 ग्रामों के बाशिंदों को न्योता दिया है।

लंबे समय से टैक्स जमा नहीं करने वालों के काटे जाएंगे नल कनेक्शन

30% से ज्यादा ऐसे आवास, जिनका हो रहा कमर्शियल उपयोग, रि-असेसमेंट कर नगर निगम वसूलेगा टैक्स

हरिभूमि न्यूज ⏭दुर्ग

शहर में राजस्व वसूली को बढ़ाने को लेकर दुर्ग निगम एक्शन मोड में है। बड़े बकाएदारों पर जहां शिकंजा कसा जा रहा है, वहीं लंबे समय से जिन लोगों ने टैक्स जमा नहीं कराया है। उनके घरों के नल कनेक्शन काटने की तैयारी की गई है। इतना ही नहीं यह बात भी सामने आई है कि शहर में 30 प्रतिशत से ज्यादा ऐसे आवास है, जिन्होंने अपने घर पर ही दुकान खोल रखी है या दुकान बनाकर किराए पर दे रखा है। ऐसी सारी संपत्तियों का रि-असेसमेंट किया जाएगा। टैक्स की लचर व्यवस्था को सुधार के लिए यह तैयारी की जा रही है। इसे लेकर महापौर अलका बाघमार एवं आयुक्त लीना कोसम ने राजस्व विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की समीक्षा बैठक लेकर वसूली कार्य में गंभीरता बरतने के निर्देश दिए।बैठक में लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर, बाजार व राजस्व विभाग प्रभारी शेखर चन्द्राकर मौजूद थे।

बैठक में सभी वार्डों के सहायक राजस्व निरीक्षकों द्वारा अप्रैल से सितंबर 2026 तक की गई राजस्व वसूली की समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान जिन सहायक राजस्व निरीक्षकों की वसूली बेहद कम पाई गई, उनके प्रदर्शन पर महापौर ने नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने स्पष्ट कहा कि राजस्व वसूली जैसे महत्वपूर्ण कार्य में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने राजस्व अधिकारी आर.के. बोरकर को निर्देशित किया कि वसूली में लगातार कमजोर प्रदर्शन करने एवं लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों को वसूली कार्य से पृथक करने की कार्रवाई की जाए।

राजस्व वसूली में लापरवाही पर कर्मचारियों को वसूली कार्य से हटाने के निर्देश



राजस्व वसूलने वाले रहें फील्ड पर, टार्गेट करें पूरा

महापौर एवं कमिश्नर ने सभी सहायक राजस्व निरीक्षकों एवं राजस्व उपनिरीक्षकों को निर्देश दिए कि वे नियमित रूप से फील्ड में रहकर बड़े बकायादारों सहित अन्य करदाताओं से अधिक से अधिक राजस्व वसूली सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि निगम के राजस्व लक्ष्य को पूरा करने के लिए सभी अधिकारी-कर्मचारी अपनी जिम्मेदारी गंभीरता से निभाएं और बकाया कर वसूली में तेजी लाएं। उन्होंने कहा कि नियमित रूप से इसकी समीक्षा सुनिश्चित की जाए। लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों पर कार्रवाई की जाए।

आवासीय भवनों में व्यवसाय करने वालों का होगा पुनर्मूल्यांकन

महापौर ने निर्देशित किया कि जिन वार्डों में आवासीय भवनों का उपयोग व्यवसायिक गतिविधियों के लिए किया जा रहा है, ऐसे भवनों को चिन्हांकित कर उनका पुनर्मूल्यांकन (रि-असेसमेंट) किया जाए। नियमानुसार कर का निर्धारण करते हुए आवश्यकतानुसार संपत्ति कर में वृद्धि की कार्रवाई की जाए, ताकि निगम को नियमानुसार राजस्व प्राप्त हो सके। उन्होंने बड़े बकायादारों द्वारा बार-बार अवसर दिए जाने के बावजूद टैक्स जमा नहीं करने पर नियमानुसार सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। आवश्यकता पड़ने पर बकायादारों के नल कनेक्शन विच्छेद करने की कार्रवाई भी सुनिश्चित करने को कहा। बैठक में राजस्व विभाग के प्रभारी शेखर चंद्राकर ने सभी सहायक राजस्व निरीक्षकों एवं राजस्व उपनिरीक्षकों को राजस्व वसूली का कार्य गंभीरता और जिम्मेदारी के साथ करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अधिकारी-कर्मचारी केवल कार्यालय तक सीमित न रहें, बल्कि फील्ड में जाकर करदाताओं से संपर्क करें और बकाया राशि की वसूली सुनिश्चित करें।

हर दुकानदारों को लाइसेंस लेना आवश्यक

शेखर चंद्राकर ने कहा कि आवासीय भवनों में व्यवसाय संचालित करने वालों को चिन्हांकित कर इसकी जानकारी लाइसेंस शाखा को उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए, ताकि संबंधित व्यवसायियों को नियमानुसार लाइसेंस प्रक्रिया के दायरे में लाया जा सके। उन्होंने स्पष्ट किया कि शहर में व्यवसायिक गतिविधियों का संचालन निर्धारित नियमों के अनुरूप हो तथा जहां लाइसेंस अनिवार्य है, वहां लाइसेंस लेना सुनिश्चित कराया जाए। महापौर अलका बाघमार एवं कमिश्नर लीना कोसम ने अधिकारियों-कर्मचारियों को स्पष्ट संदेश दिया कि राजस्व वसूली में किसी भी प्रकार की उदासीनता स्वीकार नहीं की जाएगी। सभी संबंधित अधिकारी निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप कार्य करते हुए निगम की आय बढ़ाने और राजस्व व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए प्रभावी प्रयास करें।

दिसंबर तक करदाताओं को मिलेगी दो प्रतिशत की छूट

वर्ष 2026-27 का टैक्स जमा करने वाले करदाताओं को अक्टूबर से दिसंबर महीने तक 2 प्रतिशत की छूट मिलेगी। इससे पहले एक अप्रैल से 30 जून तक 6 प्रतिशत की छूट दी गई। वहीं जुलाई से सितंबर तक 4 प्रतिशत की छूट दी गई। वहीं जनवरी से मार्च 2027 तक कोई छूट नहीं मिलेगी। इसके बाद टैक्स जमा करने की स्थिति में निगम 10 प्रतिशत तक अधिभार वसूलेगा। निगम द्वारा प्रतिवर्ष समेकित, संपत्तिकर, सफाई टैक्स, जल कर, भूभाटक सहित अन्य प्रकार के टैक्स वसूली करता है, इससे निगम को करीब 38 करोड़ रुपए मिलते हैं।

वोट चोरी के खिलाफ हुए प्रदर्शन में दुर्ग जिले के कांग्रेसी भी हुए शामिल



दुर्ग। लोकतंत्र की रक्षा के लिए दिल्ली में आयोजित विरोध प्रदर्शन में दुर्ग जिले के भी कांग्रेसी शामिल हुए। प्रमुख रूप से पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज, दुर्ग से जिलाध्यक्ष राकेश ठाकुर, धीरज बाकलीवाल व मुकेश चंद्रकार सहित अन्य मौजूद थे। मुख्य चुनाव आयुक्त द्वारा चुनावी प्रक्रिया में लगातार अनियमितताओं और वोट चोरी के खिलाफ कॉन्स्टिट्यूशन क्लब से सुप्रीम कोर्ट तक निकाले गए इस विशाल आंदोलन में छत्तीसगढ़ से विशेष रणनीति और कमान संभालते हुए कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल हुए। राकेश ठाकुर ने कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का पुरजोर विरोध जारी है। ज्ञानेश कुमार को तत्काल इस्तीफा दे देना चाहिए। सरकारी गवाह बन जाना चाहिए, अन्यथा ज्ञानेश कुमार के खिलाफ अपराध दर्ज कर तत्काल गिरफ्तार किया जाना चाहिए।

एड्स को लेकर किया जागरूक

दुर्ग। घनश्याम सिंह आर्य कन्या महाविद्यालय में सोमवार को एचआईवी एड्स जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अतिथियों का स्वागत पौधा देकर किया गया।

संपूर्ण कार्यक्रम दयानंद शिक्षा समिति की उपाध्यक्ष भरनी गुप्ता, कार्यकारी अध्यक्ष दिग्विजय सिंह गुप्ता, सचिव मोतीलाल भंडारी, विधिक सलाहकार नागेंद्र शर्मा, प्रबंधक भावना सिंह, महाविद्यालय की प्राचार्य नीतू सिंह एवं उपप्राचार्य चांदनी अग्रवाल के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। रेड क्रॉस राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत एसटीआई काउंसलर अभय ताम्रकार एवं उनके सहयोगी टीम टी जीवन एवं रश्मि सोनी के द्वारा छात्राओं को एचआईवी एड्स के कारण, लक्षण, रोकथाम एवं भ्रांतियां को दूर करने हेतु विस्तृत जानकारी दी गई। मंच संचालन रेड क्रॉस प्रभारी विनोद सोनवानी और आभार प्रदर्शन प्राचार्य ने किया।

हितग्राहियों से संवाद कर योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के दिए निर्देश

भिलाई। नगर पालिक निगम रिसाली द्वारा शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला परिसर रुआबांधा में आयोजित सेवा और समर्पण के 25 वर्ष सेवा संकल्प अभियान शिविर में दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर शामिल हुए।



विधायक ललित चंद्राकर ने शिविर में लगाए गए विभिन्न विभागों के स्टॉलों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने हितग्राहियों से संवाद कर उनकी समस्याओं और योजनाओं से संबंधित जरूरतों की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शासकीय योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने के लिए प्रभावी कार्रवाई की जाए, ताकि कोई भी पात्र व्यक्ति योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे। इस अवसर पर विधायक चंद्राकर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने जीवन के 25 वर्ष राष्ट्रसेवा, गरीब कल्याण और अंत्योदय के संकल्प को समर्पित किए हैं। उनके नेतृत्व में केंद्र सरकार की योजनाओं का लाभ गरीबों, किसानों, महिलाओं और युवाओं तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सेवा संकल्प अभियान इसी सेवा भावना का प्रतीक है। विधायक ने शिविर के आयोजन के लिए नगर निगम रिसाली की टीम को बधाई दी। शिविर में अनुपम साहू, राजू जंघेल, दशरथ साहू, शैलेन्द्र सेंडे, सारिका साहू, मनीष यादव, धर्मेन्द्र भगत, माया यादव, शीला नारखडे, सविता धवज और रमा साहू सहित अनेक जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

दीपावली के दूसरे दिन गोवर्धन पूजा पर सार्वजनिक अवकाश घोषित करने की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭दुर्ग

दीपावली पर्व के दूसरे दिन मनाए जाने वाले गोवर्धन पूजा के अवसर पर पूरे छत्तीसगढ़ में सार्वजनिक/सामान्य अवकाश घोषित किए जाने की मांग को लेकर छत्तीसगढ़ सर्व समाज संगठन एवं छत्तीसगढ़ प्रदेश तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ द्वारा छत्तीसगढ़ शासन को ज्ञापन प्रेषित किया गया है।

संगठन के प्रांताध्यक्ष भानु प्रताप यादव के नेतृत्व में कलेक्टर के माध्यम से मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव, संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल तथा मुख्य सचिव के नाम ज्ञापन प्रेषित कर मांग की गई है कि दीपावली के दूसरे दिन अर्थात गोवर्धन पूजा के अवसर पर प्रदेश में सार्वजनिक व सामान्य अवकाश घोषित करने की अधिसूचना जारी की जाए। संगठन ने कहा कि दीपावली हिंदू समाज का प्रमुख एवं व्यापक रूप से मनाया जाने वाला पर्व है।

दीपावली के अगले दिन गोवर्धन पूजा की परंपरा छत्तीसगढ़ सहित देश के विभिन्न हिस्सों में श्रद्धा और उल्लास के साथ निभाई जाती है। छत्तीसगढ़ में ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में गोवर्धन पूजा का विशेष महत्व है। इस अवसर पर परिवार एवं समाज के लोग धार्मिक अनुष्ठानों, पारंपरिक पूजा-पद्धतियों तथा सामाजिक-सांस्कृतिक कार्यक्रमों में शामिल होते हैं। अनेक स्थानों पर गोवर्धन पूजा से जुड़ी पारंपरिक लोक-परंपराओं का भी आयोजन किया जाता है।

निगम के जनदर्शन में प्राप्त आवेदनों के शीघ्र निराकरण के उपायुक्त ने दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

नगर पालिक निगम भिलाई के मुख्य कार्यालय में सोमवार को आयोजित जनदर्शन में नागरिकों की समस्याओं और मांगों से संबंधित कुल 16 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें 13 आवेदन शिकायतों से संबंधित थे, जबकि 3 आवेदन विभिन्न मांगों को लेकर प्रस्तुत किए गए।

निगम आयुक्त सुरूचि सिंह के निर्देशानुसार आयोजित जनदर्शन में उपायुक्त नरेंद्र कुमार बंजारे उपस्थित रहे। इस दौरान निगम क्षेत्र के विभिन्न वार्डों से पहुंचे नागरिकों ने अपनी समस्याएं प्रशासन के समक्ष रखीं और उनके निराकरण के लिए आवेदन सौंपे। जनदर्शन में उपायुक्त ने नागरिकों की समस्याओं और मांगों को गंभीरता से सुना। उन्होंने प्राप्त आवेदनों का नियमानुसार परीक्षण करने तथा संबंधित विभागों के माध्यम से शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नागरिकों की समस्याओं का समयबद्ध समाधान करना नगर निगम की प्राथमिकता है। प्रत्येक आवेदन पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी, ताकि लोगों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े। नगर निगम भिलाई द्वारा नागरिकों को अपनी मांगों और शिकायतों को सीधे निगम प्रशासन तक पहुंचाने का अवसर देने के उद्देश्य से प्रत्येक सोमवार को मुख्य कार्यालय में जनदर्शन आयोजित किया जाता है। इसके माध्यम से प्राप्त आवेदनों को संबंधित विभागों के पास भेजकर उनका परीक्षण कराया जाता है और नियमानुसार कार्रवाई की जाती है। निगम प्रशासन का कहना है कि



हर माह 500 रुपए डाटा भत्ता और स्मार्टफोन खरीदने के लिए सालाना राशि देने की मांग

सरकारी कर्मचारियों को मोबाइल और डाटा भत्ता भी मिले

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

सरकारी कामकाज में ऑनलाइन रिपोर्टिंग, पोर्टल पर डाटा एंट्री और योजनाओं की गतिविधियों के फोटो-वीडियो अपलोड करने की जिम्मेदारी निभा रहे अधिकारी-कर्मचारियों के लिए मोबाइल और इंटरनेट का खर्च एक अतिरिक्त बोझ बनता जा रहा है। इस खर्च की भरपाई के लिए छत्तीसगढ़ प्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ ने कर्मचारियों को मोबाइल और डाटा भत्ता देने की मांग उठाई है। संघ ने 13 अक्टूबर को प्रस्तावित राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में इन मांगों पर विचार कर निर्णय लेने के लिए मुख्य सचिव विकास शील से पहल करने का अनुरोध किया है।

- कैबिनेट में प्रस्ताव रखने की अपील

संघ के प्रदेश महामंत्री सैय्यद असलम का कहना है कि स्वास्थ्य, महिला और बाल विकास, शिक्षा और उच्च शिक्षा समेत लगभग सभी विभागों में सरकारी कामकाज तेजी से डिजिटल माध्यमों पर निर्भर हो रहा है। कर्मचारियों को नियमित रूप से ऑनलाइन जानकारी दर्ज करने, विभिन्न योजनाओं की प्रगति की रिपोर्ट भेजने और पोर्टल पर फोटो-वीडियो अपलोड करने पड़ते हैं। राष्ट्रीय कार्यक्रमों के तहत दैनिक रिपोर्टिंग भी इसी व्यवस्था का हिस्सा बन गई है। इसके बावजूद इन कार्यों में इस्तेमाल होने वाले मोबाइल और इंटरनेट का खर्च कर्मचारियों को अपनी जेब से उठाना पड़ता है। संघ ने सरकारी कार्यों के लिए इस्तेमाल होने वाले इंटरनेट की लागत को देखते हुए प्रत्येक माह 500 रुपये डाटा रिचार्ज भत्ता देने की मांग की है। इसके साथ ही कर्मचारियों को साल में एक बार एंड्रॉयड स्मार्टफोन खरीदने के लिए निर्धारित राशि उपलब्ध कराने की मांग भी रखी गई है। संघ का तर्क है कि जब विभागीय कार्यों के लिए ऑनलाइन रिपोर्टिंग और डिजिटल माध्यमों का इस्तेमाल अनिवार्य किया जा रहा है, तो इसके लिए आवश्यक संसाधनों का खर्च भी व्यवस्था के स्तर पर वहन किया जाना चाहिए। कर्मचारियों के निजी मोबाइल और इंटरनेट का लगातार सरकारी काम में इस्तेमाल होने से उन पर आर्थिक बोझ बढ़ रहा है। संघ के संरक्षक ओपी शर्मा ने कहा कि डिजिटल इंडिया और विकसित भारत की परिकल्पना के तहत सरकारी सेवाओं को ऑनलाइन उपलब्ध कराने में कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका है। हितग्राहियों तक योजनाओं की जानकारी पहुंचाने से लेकर विभिन्न कार्यक्रमों की प्रगति दर्ज करने तक कई जिम्मेदारियां मोबाइल और इंटरनेट के माध्यम से पूरी की जा रही हैं।

कैशलेस चिकित्सा सुविधा पर भी निर्णय की मांग

मोबाइल और डाटा भत्ते के साथ संघ ने शासकीय अधिकारी-कर्मचारियों की कैशलेस चिकित्सा सुविधा का मुद्दा भी उठाया है। सैय्यद असलम के अनुसार, पिछली कैबिनेट बैठक में इस सुविधा के लिए 100 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए थे। अब संघ चाहता है कि आगामी बैठक में योजना के क्रियान्वयन के लिए स्पष्ट नियमावली तैयार करने और आदेश जारी करने की दिशा में निर्णय लिया जाए। संघ ने पेंशनर्स को भी इस सुविधा के दायरे में शामिल करने की मांग की है। इसके लिए संशोधित व्यवस्था में पात्रता, लाभ और प्रक्रिया को स्पष्ट करने वाली मार्गदर्शिका जारी करने पर जोर दिया गया है। साथ ही, आगामी बजट में कैशलेस चिकित्सा सुविधा के लिए 100 करोड़ रुपए के मौजूदा स्वीकृत प्रावधान को बढ़ाकर 200 करोड़ रुपए करने की मांग रखी गई है, ताकि कर्मचारियों और पेंशनर्स को योजना का लाभ उपलब्ध कराने के लिए पर्याप्त राशि सुनिश्चित की जा सके।

अब कैबिनेट के फैसले पर टिकी नजरें

संघ ने मुख्य सचिव से अनुरोध किया है कि संबंधित विभागों के प्रमुख सचिवों के माध्यम से इन मुद्दों को मंत्रिमंडल के समक्ष रखा जाए। मोबाइल और डाटा भत्ते की मांग सीधे तौर पर सरकारी कामकाज में इस्तेमाल होने वाले डिजिटल संसाधनों के खर्च से जुड़ी है, जबकि कैशलेस चिकित्सा सुविधा का सवाल कर्मचारियों और पेंशनर्स के स्वास्थ्य सुरक्षा लाभों से संबंधित है। अब इन मांगों पर सरकार की ओर से क्या निर्णय लिया जाता है, इस पर कर्मचारियों की नजरें टिकी हैं। यदि मोबाइल और डाटा भत्ते के प्रस्ताव पर सहमति बनती है, तो ऑनलाइन सरकारी कामकाज करने वाले कर्मचारियों को निजी खर्च में राहत मिल सकती है। हालांकि, इन मांगों पर अंतिम निर्णय सरकार को लेना है।

ग्राहक पंचायत के प्रतिनिधियों से मारपीट सुरक्षा के लिए पीएम के नाम सौंपा ज्ञापन

दुर्ग। अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत की केंद्रीय कार्य परिषद बारामती महाराष्ट्र में हुई। बैठक में दुर्ग जिले के भी प्रतिनिधि शामिल हुए। बैठक में 27 सितंबर को पश्चिम बंगाल के कोलकाता स्थित सत्यजीत रे फिल्म एवं टेलीविजन संस्थान के मुख्य सभागार में अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत पश्चिम बंगाल इकाई द्वारा एक परिचय वर्ग का आयोजन किया गया था। संगठन द्वारा उपलब्ध कराए गए विवरण के अनुसार इस कार्यक्रम के लिए संस्थान के प्रशासन से पूर्व लिखित अनुमति प्राप्त की गई थी तथा निर्धारित आवश्यक शुल्क भी जमा किया गया था। प्राप्त विवरण के अनुसार कार्यक्रम के दौरान कुछ लोगों द्वारा सभागार में प्रवेश कर विरोध प्रदर्शन एवं नारेबाजी की गई। बैठक में अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत के कार्यकर्ताओं के साथ मारपीट को लेकर भी अवगत कराया गया। 12 कार्यकर्ताओं को चोटें आई थी। इसे लेकर देश के प्रधानमंत्री प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा गया। इसमें स्वतंत्र जांच समिति गठित करने, निष्पक्ष जांच, दोषियों पर कार्रवाई, न्याय एवं सुरक्षा, शैक्षणिक संस्थानों में वैचारिक सहिष्णुता एवं लोकतांत्रिक संवाद को बढ़ावा देने सहित अन्य मांग की गई। ज्ञापन सौंपने वाले प्रतिनिधि मंडल में प्रान्त सचिव देवेन्द्र कौशिक , प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य दिलीप देशमुख, दुर्ग जिलाध्यक्ष देवाशीष घोष, जिला सचिव गोपी चंद साहू, धर्मेन्द्र धामू, संजय डहरवाल, छवि गजेन्द्र,चंद्रशेखर साहू, अनुराग माहुलकर, अक्षय वर्मा, दिनेश साहू आदि उपस्थित रहे।



खबर संक्षेप

मंदिरों में प्रज्वलित हुईं मनोकामना ज्योत

जामगांव आर। चंडी मंदिर भंसुली आर में क्वार नवरात्रि पर्व के अवसर पर मनोकामना ज्योति



कलश स्थापना का 39वां वर्ष श्रद्धापूर्वक मनाया जा रहा है। इस वर्ष मंदिर में 187 मनोकामना ज्योत प्रज्वलित की गई हैं। मुख्य पुजारी पंडा सत्यवान धीवर एवं चंडी समिति भंसुली आर के अध्यक्ष चित्रांगद चंद्राकर ने बताया कि सच्ची साधना व सिद्धि की भावना से मनोकामना करने वाले भक्तों को मनवांछित फल की प्राप्ति होती है। समिति ने श्रद्धालुओं से इस पावन अवसर का लाभ उठाने की अपील की है।

पाटन के देवांगन समाज भवन में गरबा महोत्सव कल

पाटन। नवरात्र के चतुर्थ दिवस पर पाटन नगर के देवांगन भवन में माँ आदि शक्ति गरबा ग्रुप के तत्वावधान में एक दिवसीय गरबा महोत्सव का आयोजन किया गया है। गरबा ग्रुप के आयोजनकर्ताओं ने बताया कि 14 अक्टूबर को दोपहर 3 बजे से शाम 7 बजे तक देवांगन भवन पाटन में गरबा महोत्सव का कार्यक्रम आयोजित है। इस महोत्सव में किसी का प्रकार उम्र में कोई बंधन नही किया गया है और न ही किसी भी प्रकार की कोई एंट्री फीस है। अगर किसी भी के द्वारा एंट्री फीस की मांग करने पर तुरंत सम्पर्क नम्बर जारी किया गया है उसमें शिकायत दर्ज कराए जाने की बात कही है। माँ आदि शक्ति गरबा ग्रुप के तत्वावधान में यह द्वितीय वर्ष है। यह आयोजन सिर्फ महिलाओं के लिए रखा गया है ।

योग स्वास्थ्य और साधना का अनूठा संगम : साहू

जामगांव आर। उपतहसील जामगांव आर स्तरीय योग समिति के तत्वावधान में आयोजित त्रिदिवसीय निःशुल्क योग शिविर के दूसरे दिन तात्कालिक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन कर प्रतिभाशाली प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ 'दीप ज्योति परम ज्योति...' के साथ सेजस बेलहारी के पूर्व प्राचार्य वाई. के. साहू ने किया। मंच पर योग साधक बेनीराम साहू, कामता प्रसाद साहू, डॉ. गुलाब साहू, ढाल सिंह साहू एवं संतोष साहू मंचासीन रहे। शिक्षाविद वाई. के. साहू ने संबोधित करते हुए कहा कि योग की अलख जगाने के बाद भी जनमानस में अपेक्षित जागरूकता न आना एक विडंबना है। भारत भूमि में ऋषि-मुनियों ने योग को साधना और स्वास्थ्य का संगम बनाया है, जिससे जीवन पुष्ट और चुस्त रहता है समिति के अध्यक्ष डॉ. गुलाब साहू ने बताया कि योग के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से योग साधक नगर में भव्य जुलूस निकाली और 'करो योग, रहो निरोग' का संदेश दिए।

निधन

लक्ष्मण ठाकुर

जामुल। ग्राम कचान्दुर निवासी लक्ष्मण ठाकुर 58 वर्ष का



आकस्मिक निधन 11 अक्टूबर को हो गया। उनका अंतिम संस्कार ग्राम के स्थानीय मुक्तिधाम में रविवार को किया गया। वे ग्राम के पूर्व पंच बुधाबाई ठाकुर के पति, धनेश्वर ठाकुर व देव कुमार ठाकुर के पिता और शत्रुघ्न ठाकुर के बड़े भाई थे।

कातरो के भरदा खार में विराजमान हैं ठाकुर देव और बजरंगबली

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंडा

दुर्ग ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र अंडा से 8 किमी के दूरी पर ग्राम पंचायत कातरो स्थित भरदा खार में आस्था और श्रद्धा का एक प्राचीन स्थल है, जहां जय ठाकुर देव और बजरंगबली विराजमान हैं।

ग्रामीणों के अनुसार, यह मंदिर करीब 100 साल पुराना है। यहां महाशिवरात्रि के अवसर पर मेला लगता है, वहीं चैत्र और क्वांर नवरात्रि में ज्योति कलश प्रज्वलित कर श्रद्धालु पूजा-अर्चना करते हैं। ग्राम कातरो निवासी पदुम चंद गजपाल की लगभग एक एकड़ जमीन पर स्थित इस धार्मिक स्थल को लेकर ग्रामीणों में गहरी आस्था है।

लोगों के द्वारा बताया जाता है कि खेत में एक सूखा बोइर का पेड़ था, जिसके नीचे से जय ठाकुर देव और बजरंगबली की प्रतिमाएं प्रकट हुई थीं। इसके बाद से ही यह स्थान श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र बन गया। करीब 20 वर्षों से यहां मंदिर का निर्माण कर नियमित रूप से पूजा-अर्चना की जा रही है।

100 साल पुराना है ठाकुर देव मंदिर, चैत्र और क्वांर नवरात्रि में ज्योति कलश करते हैं प्रज्वलित



दोनों नवरात्रि में जलते हैं ज्योति कलश

इस मंदिर में चैत्र और क्वांर नवरात्रि के दौरान विशेष धार्मिक आयोजन होते हैं। क्वांर नवरात्रि में यहां लगभग 130 ज्योति कलश प्रज्वलित किए जाते हैं, जबकि चैत्र नवरात्रि में ज्योति कलशों की संख्या बढ़ते क्रम में रहती है। नवरात्रि के दौरान आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए पहुंचते हैं। महाशिवरात्रि पर लगने वाला मेला भी इस धार्मिक स्थल की विशेष पहचान है।

श्रद्धालुओं की मनोकामना से जुड़ी है आस्था

मंदिर के पुजारी एवं कातरो निवासी तिलोचन साहू ने बताया कि यह मंदिर



करीब 100 वर्षों से भी अधिक पुराना माना जाता है। उन्होंने बताया कि यहां आने वाले श्रद्धालुओं की गहरी आस्था है। भक्त अपनी मनोकामनाएं लेकर ठाकुर देव और बजरंगबली के दरबार में पहुंचते हैं। मान्यता है कि यहां सच्चे मन से मांगी गई मनोकामना पूरी हो जाती है। इसी विश्वास के चलते श्रद्धालु सालभर यहां दर्शन करने आते हैं। ग्राम कातरो के भरदा खार में स्थित यह मंदिर क्षेत्र की धार्मिक परंपरा और ग्रामीण आस्था का प्रतीक बना हुआ है। वर्षों से चली आ रही पूजा-पद्धति, दोनों नवरात्रियों में ज्योति कलश प्रज्वलन और महाशिवरात्रि के मेले के कारण इस स्थान का विशेष महत्व है।

तरीघाट एनीकट के गेट बंद कराने का अहम फैसला, क्षतिग्रस्त गेटों की मरम्मत भी शुरू

बरसात थमी, अब जोरों से चल रही खारून नदी में पानी सहेजने की तैयारी

भूषण देशलहरे ⏭ पाटन

बरसात का मौसम समाप्त होते ही अब गांवों में गर्मी के दिनों में पानी की उपलब्धता को लेकर तैयारियां शुरू हो गई हैं। इसी कड़ी में पुरातात्विक गांव तरीघाट में ग्राम पंचायत ने खारून नदी के जल को सुरक्षित रखने की दिशा में पहल शुरू कर दी है। पंचायत के निर्णय के बाद खारून नदी पर बने तरीघाट एनीकेट के गेटों को बंद किया जा रहा है, जिससे नदी का पानी एनीकेट में एकत्रित होना शुरू हो गया है।

ग्राम पंचायत का मुख्य उद्देश्य बरसात के बाद नदी में उपलब्ध पानी को व्यर्थ बहने से रोककर आगामी गर्मी के दिनों के लिए सुरक्षित रखना है।

पंचायत का मानना है कि यदि अभी से पानी का भंडारण किया जाए तो गर्मी के दौरान ग्रामीणों को निस्तारी कार्यों तथा पशुओं के लिए पानी की समस्या से काफी हद तक राहत मिल सकती है। एनीकेट में पानी रोकने का निर्णय ग्राम पंचायत स्तर पर लिया गया है। पंचायत द्वारा गेट बंद कराने के साथ ही एनीकेट की स्थिति पर नजर रखी जा रही है।

बरसात के दौरान पानी के तेज बहाव के कारण एनीकेट के कुछ गेटों में खराबी या क्षति होने की स्थिति को देखते हुए उनकी मरम्मत का काम भी शुरू कराया गया है। पंचायत का प्रयास है कि जलभराव शुरू होने से पहले आवश्यक मरम्मत पूरी कर ली जाए, ताकि पानी का अनावश्यक रिसाव न हो और एनीकेट में अधिक से अधिक पानी सुरक्षित रखा जा सके।

पानी को रोकने से भूजल स्तर को भी मिल सकता है सहारा



गर्मी में ग्रामीणों और मवेशियों को मिलेगा लाभ

तरीघाट में खारून नदी ग्रामीणों के लिए महत्वपूर्ण जलस्रोत है। गर्मी के दिनों में नदी का जलस्तर कम होने के साथ ही निस्तारी और पशुओं के पानी की समस्या सामने आती है। ऐसे में एनीकेट में अभी से पानी रोकना ग्रामीणों के लिए उपयोगी साबित हो सकता है। एनीकेट में पर्याप्त जलभराव रहने से ग्रामीणों को दैनिक निस्तारी कार्यों के लिए पानी उपलब्ध रहेगा, वहीं खेतों और आसपास के क्षेत्रों में पशुपालन करने वाले लोगों को भी अपने मवेशियों के लिए पानी उपलब्ध कराने में सुविधा होगी। एनीकेट में लंबे समय तक पानी रुके रहने से आसपास के क्षेत्र में भूजल स्तर को भी सहारा मिलने की संभावना रहती है। पानी का लगातार जमीन में रिसाव होने से आसपास के कुएं, बोर और अन्य जलस्रोतों को भी अप्रत्यक्ष रूप से लाभ मिल सकता है। यही वजह है कि पंचायत ने बरसात समाप्त होते ही पानी को रोकने की प्रक्रिया शुरू करने पर जोर दिया है।

क्षतिग्रस्त गेटों की मरम्मत पर भी दिया जोर

बरसात के दौरान तेज बहाव के कारण एनीकेट के गेटों पर दबाव पड़ता है, जिसके चलते कुछ गेटों में खराबी आने की स्थिति बन जाती है। पंचायत द्वारा ऐसे गेटों की मरम्मत का काम भी शुरू कराया जा रहा है। इसका उद्देश्य जलभराव के दौरान पानी के रिसाव को रोकना और एनीकेट की संरचना को बेहतर स्थिति में बनाए रखना है। ग्राम पंचायत का यह प्रयास केवल पानी रोकने तक सीमित नहीं है, बल्कि उपलब्ध जलस्रोत का गर्मी तक बेहतर प्रबंधन करने की दिशा में है। समय रहते गेट बंद करने और आवश्यक मरम्मत कराने से एनीकेट में पानी का भंडारण बनाए रखने में मदद मिलेगी। पंचायत की पहल से उम्मीद है कि आने वाले गर्मी के मौसम में तरीघाट के ग्रामीणों और मवेशियों को पानी के लिए होने वाली परेशानी को कम किया जा सकेगा।

आधुनिक व गुणवत्तायुक्त शिक्षा को बढ़ावा देने स्मार्ट बोर्ड कक्ष का निर्माण जरूरी



हरिभूमि न्यूज ⏭ जामगांव आर

सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालयों में मातृभाषा और संस्कार की प्रधानता के साथ आधुनिक तकनीक का भरपूर उपयोग करके बच्चों को वर्तमान परिवेश में उन्नत और उत्कृष्ट होनहार बनाने के लिए प्रदेश के 150 विद्यालयों में स्मार्ट बोर्ड कक्ष स्थापित किया गया। इसी योजना के तहत विद्याभारती द्वारा संचालित सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जामगांव आर, बटरेल, दुर्ग सहित छत्तीसगढ़ प्रदेश के 150 विद्यालयों में एआई स्मार्ट कक्ष का आनलाइन उद्घाटन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मध्य क्षेत्र क्षेत्रीय संघ चालक डॉ पूर्णेंदु सक्सेना के द्वारा सम्पन्न हुआ। उद्घाटन समारोह मंच पर सरस्वती शिक्षा संस्थान रायपुर छत्तीसगढ़ संगठन मंत्री डॉ. देवनारायण साहू एवं अध्यक्ष रामभरोसा सोनी मंचासीन रहे। सभी का मार्गदर्शन आशीर्वाद प्रदान हुआ। सरस्वती मंदिर जामगांव आर स्मार्ट बोर्ड कक्ष के उद्घाटन बेला समिति अध्यक्ष कामता प्रसाद साहू, व्यवस्थापक आसकरण जैन, कोषाध्यक्ष बसंत राव शिन्दे, वरिष्ठ सदस्य डॉ के एस देवांगन, प्राचार्य पीएल बारले, भौतिक विभागाध्यक्ष लिकेश्वर साहू, गणित पवन बंछोर, रसायन विभागाध्यक्ष शशि यदु सहित विद्यार्थी नवनिर्मित स्मार्ट बोर्ड उद्घाटन के साक्षी बने। उदघाटन के बाद रसायन विज्ञान विशेषज्ञ राजनांदगांव जिला शिक्षा अधिकारी प्रवास बघेल ने ऑनलाइन रसायन विज्ञान का अध्यापन कराए।

संस्कार के अभाव में माता-पिता संतान से होते हैं दुखी

क्षेत्रीय संघ चालक पूर्णेंदु सक्सेना ने कहा कि आधुनिक एवं गुणवत्ता युक्त शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से स्मार्ट बोर्ड कक्ष का निर्माण कर राष्ट्र भाषा में संस्कारित शिक्षा ग्रहण कर रहे होनहार विद्यार्थियों को समय की मांग के अनुरूप पुष्ट बनाने विद्याभारती सतत प्रयास कर रही है। वहीं सरस्वती शिक्षा संस्थान रायपुर छत्तीसगढ़ संगठन मंत्री डॉ देवनारायण साहू ने कहा कि विद्याभारती का 75 वाँ वर्ष पूर्ण हुआ। 1952 में रोपित सरस्वती शिशु मंदिर रूपी पौधा विद्याभारती के कुशलतम मार्गदर्शन में वट वृक्ष सा संस्कारित शिक्षा की छाँव जन मानस को दे रही है।

संस्कारित शिक्षा के साथ तकनीकी शिक्षा सपना साकार हुआ: सरस्वती शिक्षा संस्थान रायपुर छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष राम भरोसा सोनी ने कहा कि दुर्लभ व्यक्तित्व के घनी भैया जी के मार्गदर्शन और आशीर्वाद से जनमानस में संस्कारित शिक्षा को उन्नयन करने का सपना साकार हो रहा है।निश्चित तौर पर सरस्वती शिशु मंदिर की शिक्षा समाज जन मानस को संस्कारित उन्नत शिक्षा देने मंजिल प्राप्त करेगी।

प्रधानमंत्री फसल बीमा रबी सीजन की दावा पूर्ति राशि नहीं मिलने से किसानों में आक्रोश

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंडा

प्रधानमन्त्री फसल बीमा योजना रबी- सीजन 2025-26 की बीमा दावा, क्षतिपूर्ति राशि की घोषणा अब तक नहीं किया गया है जबकि बीते वर्षों का आंकड़ा देखे तो हर हाल में जुलाई-अगस्त माह में ग्राम इकाई वार प्रभावित फसलों चना, अलसी, सरसों, गेहूं सिंचित असिंचित के नुकसान प्रतिशत और फ़सलवार मिलने वाली क्षतिपूर्ति राशि का राज्य सरकार के अधिकृत एचडीएफसी एग्रो जरनल इंश्योरेंस कंपनी द्वारा किया जाता रहा है। वर्तमान में अक्टूबर माह प्रारंभ हो जाने के बाद भी बीमाकृत कृषकों के प्रभावित फसलों का किसी भी प्रकार से सरकार के विभाग और इंश्योरेंस कंपनी द्वारा जानकारी जारी नहीं किया जाना, प्रधानमंत्री के किसानों के लिए 'संकट मोचन' योजना कहे जाने वाले ड्रीम प्रोजेक्ट प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की सफलता पर प्रश्न चिन्ह है। एक ओर सरकार द्वारा आंख मूंदने जैसे हालत और दूसरी तरफ योजना के नियमों जिसमे फसल के बीमा दिवस के तीन माह बाद या फसल नुकसान के विभागीय प्रतिवेदन के बीस दिन बाद मुआवजा भुगतान की शर्तें और इस अवधि में देरी पर बीमाधारी कृषकों को मूल दावा राशि के साथ ही 12 प्रतिशत ब्याज दंड की अतिरिक्त अदायगी का प्रावधान होने के बाद भी सरकारी सुस्ती से किसान बीते वर्ष रवि फसल के लिए कर्ज, खाद बीज सहित अन्य लागत के बाद हुए नुकसान पर बीमा राशि से कर्ज मुक्त होने के आश लगाए बैठे हैं। इस संबंध में किसान प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री के ज्ञापन देने पूर्व बीमा कंपनी के



■ किसान प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

मातहत अधिकारियों से बात की तो बताया जा रहा है कि शासन द्वारा क्राप कटिंग का रिपोर्ट बीमा कंपनी को अब तक उपलब्ध नहीं करवाया गया है जिसके कारण अटका हुआ। किसान आक्रोशित हैं और प्रधानमंत्री के 25 वर्ष सेवाकाल के शासन द्वारा मनाए जाने वाले 'सेवा संकल्प' भी किसानों को भूल भुलैया व प्रपंच साबित हो रहा है। उक्त समस्या के निदान के लिए किसानो ने मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंप तत्काल समाधान की मांग की है अन्यथा मजबूरन धरना, आंदोलन जैसे कदम उठाने बाध्य होंगे।

ज्ञापन सौंपने वालो में जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग ग्रामीण उपाध्यक्ष रिवेंद्र यादव, पूर्व अध्यक्ष केश शिल्पी कल्याण बोर्ड नंदकुमार सेन, ब्लॉक किसान कांग्रेस अध्यक्ष योगेश भारदीय, प्रगतिशील किसान संगठन उपाध्यक्ष बंशीलाल देवांगन, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी महामंत्री कैलाश सिन्हा, पुकेश्वर साहू, देवराज चतुर्वेदी, तुलसी देशमुख, लोकेश बंजारे, माया यादव, राहुल साहू आदि मौजूद थे।

ताम्रध्वज सिन्हा ने देहदान का लिया संकल्प

पाटन। मानवता, जनसेवा और चिकित्सा विज्ञान को आगे बढ़ाने की दिशा में पुरातात्विक ग्राम तरीघाट निवासी ताम्रध्वज सिन्हा ने मरणोपरांत देहदान का संकल्प लेकर समाज के सामने अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। उनका यह निर्णय न केवल चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान को प्रोत्साहित करने वाला है, बल्कि समाज में देहदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण पहल है। ताम्रध्वज सिन्हा का कहना है कि मृत्यु के बाद भी उनका शरीर समाज के



काम आ सके, इससे बड़ा योगदान क्या हो सकता है। उन्होंने अपनी देह को जनता के लिए समर्पित करने का निर्णय लिया है, ताकि उनके शरीर का उपयोग चिकित्सा शिक्षा में किया जा सके और भावी चिकित्सक मानव शरीर की संरचना को बेहतर ढंग से समझ सकें। देहदान के माध्यम से मेडिकल कॉलेज के छात्र-छात्राओं को मानव शरीर की संरचना, विभिन्न अंगों और शारीरिक प्रक्रियाओं का व्यावहारिक अध्ययन करने का अवसर मिलता है। इससे विद्यार्थियों को चिकित्सा शिक्षा प्राप्त करने, बीमारियों को समझने तथा भविष्य में बेहतर उपचार की दिशा में अपने ज्ञान और कौशल को विकसित करने में सहायता मिल सकती है। उनकी देह का उपयोग चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान के लिए किया जाए, जिससे विज्ञान को आगे बढ़ाने और आम जनता को शारीरिक स्वास्थ्य से संबंधित बेहतर जानकारी उपलब्ध कराने में योगदान मिल सके।

पीएम श्री सेजेस कुम्हारी में 42 विद्यार्थियों को मिली साइकिल



हरिभूमि न्यूज ⏭ कुम्हारी

विद्यार्थियों की शिक्षा को प्रोत्साहन देने तथा विद्यालय तक उनकी पहुंच को सुगम बनाने की दिशा में एक सराहनीय पहल के अंतर्गत पीएम श्री सेजेस कुम्हारी में 42 विद्यार्थियों को साइकिल वितरित की गई। साइकिल पाकर विद्यार्थियों के चेहरे खुशी से खिल उठे।कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष मीना वर्मा, शाला विकास समिति के अध्यक्ष आलोक कुमार दुबे एवं समिति के सदस्य दीपक बेस की गरिमामयी उपस्थिति रही। विद्यालय की प्राचार्य डॉ. विजया श्रीवास्तव की उपस्थिति में विद्यार्थियों को साइकिल वितरित की गई।

इस अवसर पर अतिथियों ने विद्यार्थियों को शिक्षा के प्रति समर्पित रहने, नियमित रूप से विद्यालय आने तथा अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए निरंतर मेहनत करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की नींव है और विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक अवसर उपलब्ध कराने के लिए ऐसे प्रयास महत्वपूर्ण हैं।

साइकिल वितरण से विद्यार्थियों को विद्यालय आने-जाने में सुविधा मिलेगी तथा उनकी नियमित उपस्थिति को प्रोत्साहन मिलेगा। यह पहल विद्यार्थियों की शिक्षा के प्रति निरंतरता बनाए रखने और उनके सपनों को नई उड़ान देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। कार्यक्रम उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। विद्यालय परिवार ने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर बेहतर प्रयास करने का संकल्प व्यक्त किया।

देवादा और पुनईडीह के किसान परेशान

जगह-जगह टूटी नहर, टेल एरिया तक नहीं पहुंच रहा पानी

हरिभूमि न्यूज ⏭ पाटन

तांदुला नहर के तर्रा माइनर अंतर्गत ग्राम छाटा नहर के टेल एरिया तक पानी नहीं पहुंचने से देवादा और पुनईडीह के किसानों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। खेतों में खड़ी फसलों को सिंचाई के लिए पानी की जरूरत है, लेकिन नहर जगह-जगह से टूटी होने के कारण अंतिम छोर तक पानी नहीं पहुंच पा रहा है। इससे किसानों की चिंता बढ़ गई है। जानकारी के अनुसार, ग्राम छाटा नहर के टेल एरिया में पानी का प्रवाह बाधित है। नहर के कई स्थानों पर टूट-फूट होने से सिंचाई का पानी आगे नहीं बढ़ पा रहा है। इसका असर अंतिम छोर पर स्थित खेतों में देखने को मिल रहा है। देवादा और पुनईडीह के किसानों को पर्याप्त पानी नहीं मिलने से फसलों की सिंचाई प्रभावित हो रही है। टेल एरिया तक पानी पहुंचाने के उद्देश्य से देवादा के किसान नहर के



संधारण के लिए पहुंचे। इस दौरान नहर में जगह-जगह टूट-फूट होने की समस्या सामने आई। किसानों का कहना है कि जब तक नहर की मरम्मत नहीं होगी, तब तक अंतिम छोर के खेतों तक पानी पहुंचाना मुश्किल होगा। किसानों ने सिंचाई विभाग से मांग की है कि नहर का निरीक्षण कर क्षतिग्रस्त हिस्सों की जल्द मरम्मत कराई जाए, ताकि टेल एरिया तक पानी पहुंच सके और किसानों को फसलों की सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी मिल सके।

फसल बचाने पानी की दरकार

वर्तमान समय में फसलों को सिंचाई के लिए पानी की आवश्यकता है। ऐसे में नहर की बदहाल स्थिति किसानों के लिए चिंता का विषय बनी हुई है। किसानों ने विभागीय अधिकारियों से शीघ्र कार्रवाई करने की मांग करते हुए कहा कि समय रहते नहर का संधारण नहीं हुआ तो अंतिम छोर के खेतों में सिंचाई की समस्या और गंभीर हो सकती है।



नवरात्रि की तृतीय शक्ति
माँ चंद्रघंटा

नवरात्रि का तीसरा दिन माँ दुर्गा के तीसरे स्वरूप माँ चंद्रघंटा की उपासना को समर्पित होता है। माँ का यह स्वरूप सौम्यता और वीरता का अद्भुत संगम माना जाता है। इनके मस्तक पर अर्धचंद्र के आकार की स्वर्णिम घंटा सदैव सुशोभित रहती है, जिसके कारण इन्हें चंद्रघंटा नाम से जाना जाता है। देवी का यह रूप भक्तों को जहाँ एक ओर शांति, करुणा और विनम्रता का आशीष देता है, वहीं दूसरी ओर उनके भीतर अदम्य साहस और शौर्य का संचार करता है।



स्वरूप व विशेषता

माँ चंद्रघंटा का नाम उनके मस्तक पर स्थित अर्धचंद्र के आकार की स्वर्णिम घंटी से पड़ा। इनके स्वरूप की विशेषता यह है कि देवी के माथे पर यह अद्भुत चंद्रघंटा शोभायमान रहती है, जो उनके तेज और शक्ति का प्रतीक है। इनका शरीर स्वर्ण की भांति तेजस्वी है।

माँ के दस हाथ हैं जिनमें शस्त्र, कमल और आशीर्वाद की मुद्रा है। वे सिंह पर सवार रहती हैं, जो वीरता और धैर्य का द्योतक है।

पौराणिक कथाओं के अनुसार जब असुरराज महिषासुर ने देवताओं को पराजित कर स्वर्ग पर अधिकार कर लिया, तब सभी देवताओं ने माँ दुर्गा का आह्वान किया। उसी समय माँ ने अपने चंद्रघंटा स्वरूप में प्रकट होकर महिषासुर से युद्ध किया और देवताओं को उसके आतंक से मुक्त कराया। इस रूप में माँ ने दुष्टों का संहार कर धर्म और न्याय की स्थापना की।

पूजन विधि :-

माँ चंद्रघंटा की पूजा प्रातःकाल शुभ मुहूर्त में विधिपूर्वक की जाती है। स्नानादि कर पवित्र होकर पूजा स्थल पर दीप प्रज्वलित करें। माँ की प्रतिमा अथवा चित्र को गंगाजल से शुद्ध करें। फल-फूल, पुष्प, धूप-दीप, चंदन और नैवेद्य अर्पित करें। ॐ देवी चन्द्रघण्टायै नमः मंत्र का जाप करें। अंत में माँ से साहस, बल और आत्मिक शांति की प्रार्थना करें।

महत्व:-

माँ चंद्रघंटा की पूजा करने से साधक का मन भयमुक्त होता है। जीवन में साहस, आत्मविश्वास और विजय की प्राप्ति होती है। उनके आशीर्वाद से शत्रु पर विजय मिलती है और नकारात्मक शक्तियाँ नष्ट होती हैं। मानसिक अशांति और तनाव से मुक्ति मिलती है।

माँ चंद्रघंटा केवल दुष्टों का नाश ही नहीं करतीं, बल्कि अपने भक्तों को शांति, करुणा और निर्भयता का वरदान भी देती हैं। नवरात्रि के तीसरे दिन उनकी आराधना करने से जीवन में आने वाली सभी बाधाएँ दूर होती हैं और साधक का मार्ग सफलता और विजय की ओर अग्रसर होता है।

खुशियों के रंग... कांती ज्वेलर्स के संग....
दिवाली धमाका ऑफर 2026-27
18 वर्षों से आपकी सेवा में इस दीवाली खुशियाँ मनाये हमारे संग.
लक्की ड्रा ऑफर 11 अक्टूबर 2026 से 31 दिसंबर 2026 तक
25000/- की खरीदी पर पाएं लक्की ड्रा कूपन
ड्रा खुलने की तिथि 01-01-2027
कांती ज्वेलर्स
डायमंड • सोना • चांदी • राशि • रत्न
सिरसा रोड, चांदनी चौक भिलाई, जिला-दुर्ग
रवि सोनी 9691422333

मातृ शक्ति को नमन.. नवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएं
भाटिया नेत्रालय
नेत्र रोग विशेषज्ञ
डॉ. कीर्ति भाटिया HOD+Jt. Director Sec.-9 Hospital (Retd.)
डॉ. गुंजन खलुजा MBBS(University Gold Medalist) M.D.(Opth)AIIMS New Delhi, DNB, FICO (UK), FAICO
• बिना टांके- बिना इंडेक्शन (मोतियाबिंद ऑपरेशन फेको पद्धति द्वारा)
• आयुष्मान कार्ड द्वारा रेटिना लेजर ऑपरेशन की सुविधा
• रेटिना के इंजेक्शन में 20 प्रतिशत की छूट
• ऑखों का तिरछापन • ऑखों की प्लास्टिक सर्जरी • लेजर
• काला मोतिया पेरी सिटरी • ओ. सी. टी. जॉच-ऑपरेशन
• ऑखों की सम्पूर्ण जॉच • चश्में का नंबर एवं लेन्स की सुविधा.
• मौर्या परिसर, भिलाई नर्सिंग होम के पास, विशाल मेगा मार्ट के सामने, सुपेला, भिलाई, मो. 9329764072
• भाटिया नेत्रालय, शास्त्री मार्केट, केसरी लॉज के सामने, पावर हाऊस, भिलाई, मो.- 9238048059
आयुष्मान टी.पी.ए सुविधा उपलब्ध

समस्त क्षेत्रवासियों को
शारदीय नवरात्रि
की हार्दिक शुभकामनाएं...
Santosh Gupta
नेहा ट्रांसपोर्ट
भिलाई

Get Your Passport in 2-3 Days Only...
C.G. No. 1 in Passport
SHRIKANT JAIN
98271 16933, 94791 74525
PASSPORT, VISA, AIR TICKET, HOLIDAYS & INSURANCE
(LIFE MEDICLAIM & MOTOR VEHICLES)
Modicare
Save & Earn 30% to 50%
न किसी को कुछ समझाना, न किसी को कुछ बेचना...
सिर्फ और सिर्फ अपनी शॉप दुकान बदले और पाये 30% से 50% तक बचत का लाभ
आपकी रोज की जरूरत का लगभग हर सामान...
Modicare DP Smriti Nagar, Bhilai
Plot - 1, Street - 20, Smriti Nagar, Bhilai

श्रवण आरोग्यम् पैथोलॉजी लैब
बोरसी कालोनी चौक, बोरसी, मिनाक्षी नगर, दुर्ग
HEALTH CARE PATHOLOGY SERVICES
• कम्पलीट ब्लड काउंट्स प्रोफाइल
• एनीमिया प्रोफाइल
• आर्थ राइटिस स्क्रीनिंग प्रोफाइल
• डायबिटीज स्क्रीनिंग प्रोफाइल
• लिवर फंक्शन प्रोफाइल
• किडनी फंक्शन प्रोफाइल
• लिपिड प्रोफाइल
• थायराइड प्रोफाइल और भी अन्य टेस्ट उपलब्ध है।
डॉ. रेखराज साहू
डी.आर.एन.बी. (यूरोलॉजी)
किडनी, प्रॉस्टेट, पथरी एवं मूत्र रोग विशेषज्ञ
नोट :- अनुविधा से बचने हेतु पूर्व पंजीयन अवश्य करायें 9753810533, 9303275726
विशेष सुविधा : घर पहुँच सेवा सुविधा उपलब्ध है।
हमारे यहाँ सभी प्रकार के खून, पेशाब, होर्मोन, थायराइड, शुगर, प्रोमेसी, मलेरिया, पीलिया, टाइफाइड, विटामिन इत्यादि जाँच आधुनिक मशीनों के द्वारा उपलब्ध है।

शारदीया नवरात्रि पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं
अलख नवरंग
प्रदेश उपाध्यक्ष
अनुसूचित जाति विभाग (छ.ग.)
प्रदेश कांग्रेस कमेटी

16 वर्षों से आपकी सेवा में
श्री खाटू श्याम ज्योतिष
जन्म पत्रिका बनाई जाती है
• नवग्रह आदि समस्त प्रकार के ज्योतिष सामाधान
• व्यापार, विवाह, नौकरी में प्रमोशन
• मकान-संतान योग
• दुकान, बच्चों के कैरियर मार्गदर्शन
• कालसर्प दोष निवारण
• प्रेम विवाह, मोहनी
• मांगलिक दोष निवारण
ज्योतिष के माध्यम से जीवन की सही दिशा
समस्याएँ चाहे कितनी भी बड़ी क्यों न हों, समाधान हमेशा संभव है...
मनमोहनी स्पेशलिष्ट
जन्मकुण्डली विशेषज्ञ पं.रविकांत शर्मा पं.एस.के. शास्त्री
खाटू श्याम जी की असीम कृपा से "हर मुश्किल से मुश्किल समस्या का समाधान ज्योतिष मेरा काम नहीं, मेरी साधना है"
जब कहीं ना हो काम, तो हमसे ले समाधान
व्यापार बढ़ोतरी, किया कराया, शादी के लिए माता-पिता को मनाना
जब कही ना हों काम, तो हमसे ले समाधान
क्यों चुनें हमें ?
• 16 वर्षों का अनुभव
• सटीक एवं सरल समाधान
• गोपनीयता की पूर्ण गारंटी
• व्यक्तिगत मार्गदर्शन
• श्रद्धा और विश्वास पर आधारित सेवा
ऑफिस आने पर मात्र ₹ 101
PAYMENT QR CODE
₹ 251
फोन से परामर्श मात्र
हमारी प्रमुख सेवाएं
जन्म कुंडली विश्लेषण
संतान योग
वैवाहिक जीवन
वास्तु शास्त्र
करियर एवं व्यवसाय
हस्तरेखा विज्ञान
धन एवं समृद्धि
प्रश्न कुंडली
बुकिंग के लिए संपर्क करें: +91 747 067 4060
पोलसाय पारा चौक, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)
संपर्क सूत्र:- पं. रविकांत शर्मा एवं पं. एस. के शास्त्री: +91 9755964567
नोट : मिलने के लिए अपॉईंटमेंट लेना आवश्यक है। असुविधा से बचने के लिए अपॉईंटमेंट लेकर ही मिलें। | Follow us on: shree_khatushyam_jyotish | हमारी अन्य कोई और शाखा नहीं है।

हरिभूमि

रायपुर, मंगलवार 13 अक्टूबर 2026

लाइव

Email id- haribhoomibhilai@gmail.com

7747020002, Message at - 9755819129

गरबा पर जमकर थिरकतीं नजर आईं महिलाएं...



लाइव इवेंट

पदयात्रियों की सेवा के लिए शिवनाथ नदी किनारे लगाया सेवा पंडाल



दुर्ग । क्वांर नवरात्रि के पावन पर्व पर मां बम्लेश्वरी के दर्शनार्थ डोंगरगढ़ जाने वाले पदयात्रियों की सेवा के लिए लायंस क्लब दुर्ग मिडटाउन द्वारा सराहनीय पहल की गई है। क्लब द्वारा शिवनाथ नदी के किनारे पृथ्वी पैलेस के पास सेवा पंडाल लगाया गया है, जहां पदयात्रियों के लिए जलपान, भोजन, पेयजल, विश्राम और चिकित्सा सहित आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। इस सेवा पंडाल में पहुंचकर पदयात्री राहत महसूस कर रहे हैं। सेवा का यह सिलसिला 16 अक्टूबर तक जारी रहेगा। लायंस क्लब दुर्ग मिडटाउन के अध्यक्ष प्रहलाद रुंगटा ने बताया कि मां बम्लेश्वरी के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पदयात्रा कर डोंगरगढ़ पहुंच रहे हैं। लंबी दूरी तय करने वाले इन श्रद्धालुओं की थकान दूर करने और उनकी आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए सेवा पंडाल में विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं। यहां सुबह पदयात्रियों को नाश्ता और चाय उपलब्ध कराए जा रहे है, वहीं सुबह 11 बजे से भोजन की व्यवस्था भी की गई है। इसके अलावा पेयजल, चिकित्सा सहायता और विश्राम की सुविधा सेवा पंडाल में उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने बताया कि सेवा पंडाल में प्रतिदिन बड़ी संख्या में पदयात्री पहुंच रहे हैं। नवरात्रि के इस पावन अवसर पर लायंस क्लब दुर्ग मिडटाउन के सदस्यों के साथ विभिन्न धार्मिक, सामाजिक एवं व्यापारिक संगठनों के पदाधिकारी और सदस्य भी बढ़-चढ़कर अपनी सहभागिता निभा रहे हैं। सभी सेवाभाव के साथ श्रद्धालुओं की मदद में जुटे हुए हैं। लायंस क्लब दुर्ग मिडटाउन के अध्यक्ष प्रहलाद रुंगटा, नवीन जैन, अरविंद खंडेलवाल, सुधीर खंडेलवाल, खंडेलवाल समाज के अध्यक्ष संतोष खंडेलवाल, अग्रवाल समाज दुर्ग के अध्यक्ष ललित सेक्सरिया, मनोज अग्रवाल, पंकज कीर्तुका, संजय गर्ग, राधेश्याम कीर्तुका, नत्थूलाल अग्रवाल, विजय अग्रवाल, कैलाश रुंगटा, राधेश्याम सेक्सरिया, मनीष रुंगटा, अंशुल रुंगटा, पप्पू रुंगटा, नीतिन अग्रवाल, प्रकाश सोनी सहित विभिन्न समाजों के पदाधिकारी एवं समाजसेवी सक्रिय रूप से अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

- जलपान, भोजन, पेयजल, चिकित्सा और विश्राम की व्यवस्था से पदयात्रियों को मिल रही राहत



सिटी इवेंट

खेलकूद स्पर्धाओं और सांस्कृतिक गतिविधियों से ग्रामीणों को किया जागरूक



भिलाई। श्री शंकराचार्य प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी के प्रबंधन विभाग एवं राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा स्वच्छता से सेवा और स्वच्छ पाठशाला अभियान के अंतर्गत ग्राम बोड़ेगांव में एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के माध्यम से स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने, विद्यार्थियों में सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करने तथा ग्रामीण समुदाय के साथ संवाद स्थापित करने का प्रयास किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत स्वच्छता जागरूकता रैली निकाली गई। इसके साथ ही विद्यालयीन बच्चों के लिए पोस्टर प्रतियोगिता, खेलकूद स्पर्धाओं एवं विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन किया गया। इन गतिविधियों के माध्यम से बच्चों को स्वच्छता, स्वास्थ्य, रचनात्मकता और सामाजिक सहभागिता का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए ग्रामीण क्षेत्र में जनजागरूकता का प्रसार किया। विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ. स्मिता सेलट ने शिविर के लिए विद्यार्थियों को रवाना करते हुए उन्हें समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने स्वच्छता को स्वस्थ समाज की आधारशिला बताते हुए विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे अपने ज्ञान, ऊर्जा और रचनात्मकता का उपयोग समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए करें। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में आयोजित ऐसी गतिविधियां विद्यार्थियों को सामाजिक वास्तविकताओं से परिचित कराने के साथ-साथ उनमें सेवा और सहयोग की भावना को भी सुदृढ़ करती हैं। शिविर का आयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. दीपक कुमार सिंह एवं प्रबंधन विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. नेहा सोनी के मार्गदर्शन में किया गया। आयोजन में प्राध्यापक श्वेता साजी एवं रेशु चौरसिया ने सहयोग प्रदान किया।



● हरिभूमि, आईएनएच एवं सर्व शक्ति सेवा समिति के डांडिया महोत्सव में दूसरे दिन उमड़ी भीड़

गरबा की थाप पर झूमी ट्विनसिटी, भवानी गरबा से लेकर चौकड़ी-छकड़ी तक मची धूम

सिविक सेंटर स्थित वेल्डेक्स ग्राउंड में गरबा और डांडिया की रंगीन शामों का उत्साह दूसरे दिन भी चरम पर रहा। माता की भक्ति, गुजराती गीतों की धुन और डांडिया की खनक के बीच युवक-युवतियों के साथ महिलाएं और बच्चे भी पूरे जोश के साथ थिरकते नजर आए। हरिभूमि, आईएनएच एवं सर्व शक्ति सेवा समिति के तत्वावधान में आयोजित नौ दिवसीय दिलबर डांडिया महोत्सव में प्रतिभागियों ने अलग-अलग गरबा शैलियों और आकर्षक स्टेप्स के साथ समां बांध दिया। भवानी गरबा, सन्याडो और दो ताली से लेकर चौकड़ी-छकड़ी के स्टेप्स पर प्रतिभागियों ने ऐसी धूम मचाई कि पूरा परिसर उत्सवी रंग में रंगा नजर आया। निःशुल्क प्रवेश की सुविधा के चलते बड़ी संख्या में शहरवासी परिवार और मित्रों के साथ आयोजन में शामिल होने पहुंचे।







भिलाई। दूसरे दिन गरबा पंडाल में पारंपरिक परिधानों की रंगत और संगीत की लय ने माहौल को खास बना दिया। अलग-अलग समूहों में ड्रेस कोड के साथ पहुंचे प्रतिभागियों ने तालियों, पैरों की थाप और डांडिया की छड़ियों के तालमेल से अपनी नृत्य प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कोई गुजराती गीतों पर पारंपरिक गरबा करता नजर आया तो कोई नए स्टेप्स के साथ अपनी प्रस्तुति को खास बनाता दिखा। इस दौरान अतिथि में संयुक्त महिला समिति की अध्यक्ष अनुजा अग्रवाल, संस्कृति बुटीक रिश्मा व्यास, ओजस महिला समिति ललिता सिंह, संगीता प्रशांत पांडेय, एमआईसी मेंबर लक्ष्मीपति राजू, अधिवक्ता रविशंकर सिंह प्रमुख रूप से मौजूद थी। पहले दिन प्रजापिता ब्रह्माकुमारी की आशा बहन, सांसद विजय बघेल की पत्नी रजनी बघेल, विनीता मनीष पांडेय, डॉ. मानसी गुलाटी, चेंबर ऑफ कॉमर्स की अध्यक्ष सुमन कन्नौजे, सविता शर्मा, पूर्व पार्षद उपासना साहू, डॉ. आरती चौधरी, डॉ. सविता ललित मोहन, डॉ. दीप्ति राठौर, महिला पुलिस काउंसलर जया दुबे, सुचित्रा सोनी, श्वेता ताम्रकार, अनामिका रमेश पटेल, संस्कार बुटिक की संचालिका प्रभा गुप्ता, अनु ब्यूटी क्लीनिक की संचलिका अनुपमा सोनी, नीता गजभिये, रीता वैष्णव सहित हरिभूमि की टीम मौजूद रही। सर्व शक्ति सेवा समिति से जोना जोनाथन, अविनाश आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन संगीता मिश्रा ने किया।

पारंपरिक गरबा के साथ नए स्टेप्स का आकर्षण



महोत्सव में भवानी गरबा और सनेडो जैसे लोकप्रिय गुजराती गीतों के साथ दो ताली, चौकड़ी और छकड़ी के स्टेप्स ने विशेष आकर्षण पैदा किया। प्रतिभागियों ने समूह में कदम मिलाकर नृत्य किया। संगीत की गति के साथ तालमेल बैठाते हुए डांडिया खेलने का उत्साह देखते ही बना। आयोजन में गरबा और डांडिया की विभिन्न शैलियों को सीखने और अभ्यास करने का अवसर भी दिया जा रहा है, जिससे नए प्रतिभागी भी उत्साहपूर्वक शामिल हो सकें।

अंतिम पांच दिनों में मिलेंगे आकर्षक उपहार

हरिभूमि का डांडिया महोत्सव लगातार 12 वर्षों से ट्विनसिटी की नवरात्रि का खास आकर्षण बना हुआ है। इस बार भी नौ दिनों तक चलने वाले आयोजन में प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोगों के शामिल होने की उम्मीद है। आयोजकों के अनुसार, महोत्सव के अंतिम पांच दिनों में प्रतिभागियों के लिए आकर्षक उपहार रखे गए हैं। इससे आने वाले दिनों में आयोजन को लेकर उत्साह और बढ़ने की उम्मीद है। 19 अक्टूबर तक चलने वाले इस महोत्सव में शहरवासी प्रतिदिन सिविक सेंटर स्थित वेल्डेक्स ग्राउंड पहुंचकर गरबा और डांडिया की उमंग में शामिल हो सकते हैं। आयोजन में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी की आशा बहन, सांसद विजय बघेल की पत्नी रजनी बघेल, विनीता मनीष पांडेय, डॉ. मानसी गुलाटी, चेंबर ऑफ कॉमर्स की अध्यक्ष सुमन कन्नौजे, सविता शर्मा, पूर्व पार्षद उपासना साहू, डॉ. आरती चौधरी, डॉ. सविता ललित मोहन, डॉ. दीप्ति राठौर, महिला पुलिस काउंसलर जया दुबे, सुचित्रा सोनी, श्वेता ताम्रकार, अनामिका रमेश पटेल, संस्कार बुटिक की संचालिका प्रभा गुप्ता, अनु ब्यूटी क्लीनिक की संचलिका अनुपमा सोनी, नीता गजभिये, रीता वैष्णव सहित हरिभूमि की टीम मौजूद रही। सर्व शक्ति सेवा समिति से जोना जोनाथन, अविनाश सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन संगीता मिश्रा ने किया।











प्रजापिता ब्रह्मकुमारी ईश्वरी विश्वविद्यालय बघेरा में आध्यात्मिक विमर्श व मेडिटेशन शिविर

अंतर्मन के असुरों पर विजय से जागृत होगी दिव्य शक्ति, नवरात्रि के आध्यात्मिक रहस्यों पर विमर्श, राजयोग मेडिटेशन से दिया आत्मजागरण का संदेश

कार्नर न्यूज

दुर्ग। नवरात्रि केवल देवी की आराधना और धार्मिक अनुष्ठानों का पर्व नहीं, बल्कि अपने भीतर छिपे क्रोध, लोभ, ईर्ष्या, द्वेष और घृणा जैसे विकारों पर विजय प्राप्त कर दिव्य गुणों को जागृत करने का अवसर भी है। जब मनुष्य अपने अंतर्मन को शुद्ध कर शांति, प्रेम, पवित्रता और सहनशीलता को जीवन का आधार बनाता है, तभी देवी-शक्ति की उपासना सार्थक होती है। इसी आध्यात्मिक संदेश के साथ प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के बघेरा स्थित आनंद सरोवर में शारदीय नवरात्रि के अवसर पर विशेष आध्यात्मिक विमर्श एवं राजयोग मेडिटेशन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें कामधेनु विश्वविद्यालय, अंजोरा के कुलपति डॉ. आर.आर.बी. सिंह, कुलसचिव श्री राठिया, वेटरनरी कॉलेज के प्रतिनिधियों सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे। ब्रह्माकुमारी चैतन्य प्रभा दीदी और रीटा दीदी ने आध्यात्मिक विचारों के साथ राजयोग मेडिटेशन का अभ्यास कराया। वहीं, कुलपति डॉ. सिंह ने संस्था के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि आध्यात्मिक चिंतन व्यक्ति को बेहतर इंसान बनने और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की प्रेरणा देता है।



देवी के अस्त्र-शस्त्र आंतरिक शक्तियों के प्रतीक

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के स्वागत, दीप प्रज्ज्वलन और नवदुर्गा की चैतन्य झांकी के आध्यात्मिक रहस्यों पर आधारित वीडियो प्रस्तुति से हुआ। प्रारंभिक उद्बोधन में ब्रह्माकुमारी चैतन्य प्रभा दीदी ने कहा कि देवी का अष्टभुजाधारी स्वरूप मनुष्य के भीतर विद्यमान विभिन्न शक्तियों का प्रतीक है। सहनशीलता, परिस्थितियों का सामना करने, समाहित करने और विवेकपूर्ण निर्णय लेने जैसी क्षमताएं जीवन को संतुलित बनाती हैं। इनके अभाव में व्यक्ति तनाव, चिंता और अशांति से घिर जाता है। उन्होंने कहा कि देवी के चरणों में दर्शाए गए असुर मनुष्य के आंतरिक विकारों के प्रतीक हैं। इन पर विजय पाने के लिए आत्मचिंतन और दिव्य गुणों का विकास आवश्यक है। नवरात्रि में जागरण का अर्थ केवल रातभर जागना नहीं, बल्कि अज्ञान के अंधकार से निकलकर ज्ञान के प्रकाश में जागृत होना है। नौ दिनों की साधना तभी सार्थक है, जब उससे जीवन में स्थायी सकारात्मक परिवर्तन आए। इसके बाद उन्होंने राजयोग मेडिटेशन के माध्यम से उपस्थित लोगों को आत्मानुभूति और परमात्मानुभूति का अभ्यास कराया।

आध्यात्मिक चिंतन से बेहतर बनता है व्यक्तित्व



मुख्य अतिथि डॉ. आर.आर.बी. सिंह ने कहा कि आनंद सरोवर में प्रस्तुत आध्यात्मिक विचार व्यक्ति को आंतरिक नकारात्मकता दूर करने और स्वयं को बेहतर बनाने की प्रेरणा देते हैं। विश्व शांति और समाज में सकारात्मकता के लिए आध्यात्मिक चिंतन की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने ब्रह्माकुमारी संस्था के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि यहां प्राप्त ज्ञान को जीवन में अपनाना ही उसकी वास्तविक सार्थकता है। कामधेनु विश्वविद्यालय के कुलसचिव श्री राठिया ने भी संस्था से अपने विद्यार्थी जीवन के जुड़ाव का उल्लेख किया। उन्होंने आनंद सरोवर में पुनः आने के अनुभव को सुखद बताते हुए आध्यात्मिक ज्ञान को व्यवहार में उतारने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम में शशिभूषण भाई ने प्रभु स्मृति का मधुर गीत प्रस्तुत किया, जिससे वातावरण आध्यात्मिक भावनाओं से भर गया।

सिटी इवेंट

विद्यार्थियों ने नुक्कड़ नाटक से दिया जनसेवा का संदेश



भिलाई। श्री शंकरा विद्यालय में सोमवार को नमो सेवा अभियान के अंतर्गत विद्यार्थियों ने नुक्कड़ नाटक का मंचन कर सेवा, सहयोग, समर्पण और सामाजिक उत्तरदायित्व का संदेश दिया। विद्यार्थियों ने अपनी प्रस्तुति के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के देशसेवा को समर्पित 25 वर्षों के कार्यकाल में हुए विकास और जनकल्याणकारी कार्यों को दर्शाया। कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रगीत वंदे मातरम और संस्कृत वंदना के साथ हुआ। इसके बाद कक्षा सातवीं से बारहवीं तक के विद्यार्थियों ने आकर्षक नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया। नाटक के माध्यम से विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया। इस प्रस्तुति का निर्देशन जे. अन्नपूर्णा के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ भाजपा नेता प्रभुनाथ मिश्रा उपस्थित रहे। विशेष अतिथियों में भाजपा जिला मंत्री और नमो सेवा जिला कार्यक्रम प्रभारी मनोज तिवारी, भाजपा पश्चिम मंडल भिलाई के अध्यक्ष गोल्डी सोनी, जिला संयोजक भिलाई आईटी सेल सागरिका पाढ़ी तथा भाजपा पश्चिम मंडल के मीडिया प्रभारी सुजीत सोनवानी शामिल हुए। मुख्य अतिथि प्रभुनाथ मिश्रा ने डिजिटल इंडिया, प्रधानमंत्री जन-धन योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना और स्टार्टअप इंडिया जैसी योजनाओं की जानकारी दी। विद्यालय के उपप्रधानाचार्य विजयन बीजी ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की और विद्यार्थियों की सराहना करते हुए उन्हें शानदार मंचन के लिए बधाई दी। प्रधान पाठिका शीजा जॉन सहित सभी शिक्षक उपस्थित रहे। शाला प्रबंधन समिति के सचिव एस. स्वामीनाथन, अध्यक्ष वी. रामचंद्रन और प्राचार्य बिपिन देशमुख ने आयोजन की सराहना की। पी. शीतल ने आभार व्यक्त किया।

एजुकेशन लाइव

विद्यार्थियों ने पोस्टर के जरिए पर्यावरण संरक्षण की दी सीख



दुर्ग। भारती विश्वविद्यालय दुर्ग में वन्यजीव सप्ताह के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना एनएसएस, आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी), प्राणीशास्त्र विभाग और वनस्पति शास्त्र विभाग के संयुक्त तत्वावधान में पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता और योग सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में वन्यजीव एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ स्वस्थ जीवनशैली के लिए प्रेरित करना था।

वन्यजीव और पर्यावरण संरक्षण विषय पर आयोजित पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। अपनी कलात्मक अभिव्यक्ति के माध्यम से उन्होंने वन्यजीवों की सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका अकादमिक डीन डॉ. जी. तिरुपति राव और मनोविज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. पूर्णिमा तिवारी ने निभाई। प्रतियोगिता में बीएससी प्रथम सेमेस्टर, वनस्पति शास्त्र की छात्रा मुस्कान साहू ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। एमएससी तृतीय सेमेस्टर, वनस्पति शास्त्र के अक्षत साहू द्वितीय स्थान पर रहे। वहीं बीकॉम पंचम सेमेस्टर की दिव्या साहू और फार्मेसी सप्तम सेमेस्टर की डॉली ने संयुक्त रूप से तृतीय स्थान हासिल किया। कार्यक्रम की अगली कड़ी में प्रसिद्ध योग गुरु जयंता दास ने योग सत्र का संचालन किया। उन्होंने योग के माध्यम से आनंदमय जीवन जीने, मानसिक तनाव कम करने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के महत्वपूर्ण सुझाव दिए। उन्होंने दैनिक जीवन में योग को शामिल करने के लाभों से भी विद्यार्थियों को अवगत कराया। कार्यक्रम के आयोजन में एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी रोशन नोन्हारे, समन्वयक निखिल देव प्रसाद, वीरेंद्र वैष्णव, रजत आनंद, प्रियंका सिन्हा, योगिता सिन्हा, प्राणीशास्त्र विभाग की लीलम चंद्राकर एवं स्वीटी तिवारी तथा वनस्पति शास्त्र विभाग की युक्ति नोन्हारे एवं प्रियंका साहू का योगदान रहा।

सिटी इवेंट

नशे से दूर रहने और जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेने किया जागरूक



भिलाई। स्वामी श्री स्वरूपानंद सरस्वती महाविद्यालय में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत नशामुक्त भारत अभियान के समर्थन में नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने प्रभावशाली अभिनय के माध्यम से नशे के दुष्परिणामों, इससे बाहर निकलने के उपायों और शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। कार्यक्रम प्रभारी डॉ. जय तिवारी और ज्योति मिश्रा ने बताया कि नुक्कड़ नाटक के माध्यम से समाज में नशे के प्रति जागरूकता बढ़ाने और युवाओं को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करने का प्रयास किया गया। विद्यार्थियों ने अपने अभिनय से दिखाया कि किस तरह कोई व्यक्ति नशे की गिरफ्त में आ सकता है और धीरे-धीरे इसका आदी हो जाता है। नाटक में यह संदेश भी दिया गया कि परिवार और मित्रों का सहयोग, उचित मार्गदर्शन तथा सही उपचार मिलने पर नशे की लत से बाहर निकलना संभव है। श्री शंकराचार्य शैक्षिक परिसर, हुडको के निदेशक डॉ. दीपक शर्मा और डॉ. मोनिशा शर्मा ने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना करते हुए उन्हें बधाई दी। उन्होंने कहा कि जब युवा सामाजिक अभियानों से जुड़कर जागरूकता फैलाते हैं, तो समाज और राष्ट्र के विकास को नई दिशा मिलती है। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. हंसा शुक्ला ने कहा कि नशे की समस्या को जड़ से समाप्त करने के लिए समाज के प्रत्येक वर्ग की सहभागिता आवश्यक है। नशामुक्ति पर आधारित नुक्कड़ नाटक में महाविद्यालय के विद्यार्थियों रिदा परवीन, संतोषी रावते, विनी बंजारे, तनु दुर्गा, विभा जोशिया, हर्षिता पदमे, फरहद और देवांश ने सराहनीय भूमिका निभाई।

● अग्रसेन जयंती महोत्सव में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन, दुर्ग में समाज के प्रतिभावान हुए सम्मानित

पीएम के जीवन पर आधारित प्रस्तुति व भगवान शिव के नृत्य ने बांधा समां, बच्चों के मंचन ने बटोरी तालियां

भिलाई। अग्रवाल समाज भिलाई द्वारा आयोजित अग्रसेन जयंती महोत्सव का समापन सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ हुआ। समापन समारोह में बच्चों की एक से बढ़कर एक मनमोहक प्रस्तुतियों ने उपस्थित जनसमूह का दिल जीत लिया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती अनीता सत्यनारायण अग्रवाल रहीं। इस अवसर पर समाज के अग्रबंधुओं, महिलाओं, युवाओं एवं बच्चों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए अपनी सांस्कृतिक प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। समापन समारोह में विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने पूरे कार्यक्रम को आकर्षक और यादगार बना दिया। विशेष रूप से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जीवन पर आधारित प्रस्तुति दर्शकों के बीच आकर्षण का केंद्र रही। इस प्रस्तुति के माध्यम से उनके जीवन, संघर्ष और उपलब्धियों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया, जिसे उपस्थित दर्शकों ने खूब सराहा। कार्यक्रम का एक अन्य प्रमुख आकर्षण बच्चों द्वारा भगवान शिव पर आधारित नृत्य प्रस्तुति रही। बच्चों ने अपनी भावपूर्ण अभिव्यक्ति, मनमोहक भाव-भंगिमाओं और उत्कृष्ट नृत्य कौशल से सभी का ध्यान आकर्षित किया। उनकी प्रस्तुति से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। दर्शकों ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ बच्चों का उत्साहवर्धन किया।





महोत्सव में बच्चों, युवाओं और महिलाओं ने निभाई सहभागिता

अग्रसेन जयंती महोत्सव के दौरान आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों ने समाज की एकता, सांस्कृतिक विरासत और आपसी सद्भाव का संदेश दिया। महोत्सव में बच्चों, युवाओं और महिलाओं की सक्रिय भागीदारी ने समाज की सांस्कृतिक परंपराओं को संरक्षित करने और उन्हें नई पीढ़ी तक पहुंचाने में सामूहिक सहभागिता के महत्व को रेखांकित किया। समापन अवसर पर अग्रवाल समाज भिलाई के अध्यक्ष बंशी अग्रवाल ने महोत्सव को सफल बनाने में योगदान देने वाले सभी समाजजनों, आयोजन समिति के सदस्यों, महिला समिति, युवाओं, बच्चों, पुलिस प्रशासन, बीएसपी प्रशासन एवं समस्त सहयोगकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सभी के सामूहिक प्रयास, समर्पण और सहयोग से ही अग्रसेन जयंती महोत्सव सफल एवं यादगार बन सका।

उपमुख्यमंत्री साव के मुख्य आतिथ्य में आयोजन का समापन

दुर्ग। सामाजिक एकता जब संस्कारों से जुड़ती है और आने वाली नई पीढ़ी को परंपराओं से जोड़ने का संकल्प लेती है, तब उत्सव महोत्सव बन जाता है। ईसी के तहत अग्रवाल समाज के अपने आराध्य भगवान अग्रसेन की जयंती धूमधाम से मनाई गई। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री अरुण साव मुख्य अतिथि थे। उन्होंने कहा कि समाजवाद के प्रणेता महाराज अग्रसेन का अग्रवाल समाज देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने वाला समाज है। अग्रवाल समाज के अध्यक्ष ललित सेक्सरिया एवं महासचिव प्रहलाद रुंगटा ने बताया कि महाराजा अग्रसेन की प्रतिमा के समक्ष अतिथियों के दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि कैबिनेट मंत्री गजेंद्र यादव एवं सांसद विजय बघेल ने अग्रवाल समाज की एकता एवं सेवा कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि अग्रवाल समाज हमेशा से व्यापार के साथ-साथ समाज सेवा में भी अग्रणी रहा है। ट्रस्ट चैयरमैन विजय अग्रवाल, अध्यक्ष सुधीर अग्रवाल एवं संजय रुंगटा भी मंच पर उपस्थित थे। समाज के संरक्षक कैलाश रुंगटा एवं गौरीशंकर अग्रवाल ने कहा कि प्रथम बार अग्रवाल समाज द्वारा महाराजा वेलफेयर ट्रस्ट भवन में अग्रसेन जयंती मनाई जाने पर समाज में हर्ष व्याप्त है। इसअवसर पर ट्रस्ट भवन को आकर्षक रूप से झालरों एवं फूलों से सुसज्जित किया गया था। अग्रवाल महिला मंडल की अध्यक्ष नीलू अग्रवाल युवा मंडल के अमूल बंसल, यूथ क्लब के गौरव अग्रवाल ने बताया कि उत्साह एवं उमंग पूर्ण माहौल में सभी वर्गों के लिए पिछले 8 दिन से चल रही फैंसी ड्रेस, डांस, शार्क टैंक और खेल कूद सहित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को अतिथियों द्वारा पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में विशेष सहयोग हेतु उत्कृष्ट पदाधिकारी के रूप में मनोज अग्रवाल, विमल राजगढ़िया एवं पंकज किरतुका को मोमेंटो द्वारा देकर सम्मानित किया गया। समाज के शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करने वाले विद्यार्थियों का भी सम्मान किया गया। 5वीं, 8वीं, 10वी, 12वीं, सीए, नीट, आईआईटी, जेईई में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार समाज के पूर्व अध्यक्ष कमल नारायण रुंगटा एवं सुधीर अग्रवाल के सौजन्य से पिछले 25 वर्षों से दिया जा रहा है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से विजय अग्रवाल, संजय रुंगटा, विमल राजगढ़िया, पंकज किरतुका, अतुल जिंदल, आनंद अगरवाल, अनूप अग्रवाल, तृप्ति अग्रवाल आदि मौजूद थे।





ज्ञान की शाश्वत यात्रा विषय पर शैक्षणिक प्रदर्शनी

प्रदर्शनी में दिखी भारत की ज्ञान-परंपरा विद्यार्थियों ने मॉडल से दिखाई विकास यात्रा

भिलाई। भारत की गौरवशाली विरासत, प्राचीन ज्ञान-परंपरा, वैज्ञानिक उपलब्धियों और आधुनिक विकास यात्रा को करीब से समझने का अवसर रूंगटा पब्लिक स्कूल, भिलाई में देखने को मिला। संजय रूंगटा ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस द्वारा संचालित विद्यालय में भारत : ज्ञान की शाश्वत यात्रा विषय पर भव्य शैक्षणिक प्रदर्शनी आयोजित की गई। विद्यार्थियों ने अपने रचनात्मक मॉडल, मौलिक विचारों और आत्मविश्वासपूर्ण प्रस्तुतियों के माध्यम से भारतीय इतिहास, विज्ञान, साहित्य, संस्कृति और नवाचार की विविध झलकियां प्रस्तुत कीं। प्रदर्शनी का शुभारंभ मुख्य अतिथि जिला शिक्षा अधिकारी जगजीत धीर तथा विशिष्ट अतिथि शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, कुरुद के प्राचार्य के. रमेश कुमार ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर बोर्ड



ऑफ गवर्नर्स के सदस्य अरविन्द जैन और चतुर्भुज राठी सहित संजय रूंगटा ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के चेयरमैन संजय रूंगटा, डायरेक्टर रजनी रूंगटा, डॉ. साकेत रूंगटा, हर्षा रूंगटा तथा अन्य गणमान्य अतिथि और अभिभावक उपस्थित थे। अतिथियों का स्वागत हरित पौधे भेंट कर किया गया। विद्यालय की प्राचार्या दीप्ति सिंह ने स्वागत उद्बोधन में प्रदर्शनी की संकल्पना और विद्यार्थियों के सीखने की प्रक्रिया में अनुभवात्मक शिक्षा के महत्व को रेखांकित किया। विद्यार्थियों की आकर्षक स्वागत नृत्य प्रस्तुति ने समारोह में उत्साह और उल्लास का वातावरण बना दिया। चेयरमैन संजय रूंगटा ने विद्यार्थियों के भीतर जिज्ञासा, स्वतंत्र चिंतन, आत्मविश्वास और नवाचार की भावना विकसित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने विद्यार्थियों की मेहनत, रचनात्मकता और विभिन्न विषयों पर आधारित प्रस्तुतियों की सराहना की। मुख्य अतिथि जगजीत धीर ने कहा कि कम उम्र से ही शोध करने, नए विचार प्रस्तुत करने और अपने ज्ञान को आत्मविश्वास के साथ साझा करने की प्रवृत्ति विकसित होना सराहनीय है। प्रदर्शनी के मूल्यांकन के लिए डॉ. तृप्ति अग्रवाल जैन, प्राचार्या आरसीएसटी तथा डॉ. मनीष आर. वर्मा, प्राचार्य आरएसआर-आरसीईटी ने निर्णायक दल के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। शैक्षणिक प्रदर्शनी के साथ विद्यालय परिसर में पुस्तक मेले का आयोजन भी किया गया।

जीव जंतुओं के प्रति दिखाई संवेदना

बालगृह में कराया भोजन दिया मानवता का संदेश



भिलाई। रूपाली महतारी गुड़ी बहुउद्देशीय संस्था, भिलाई की ओर से माना कैंप, रायपुर स्थित बालगृह बालक मानसिक दिव्यांग संस्था में पितृमोक्ष अमावस्या के पावन अवसर पर भोजन सेवा की गई। इस दौरान बच्चों को दाल, चावल, खीर, पूड़ी, बड़ा-छोले और पापड़ सहित भोजन कराया गया। संस्था की इस सेवा पहल के अंतर्गत पूर्णिमा से अमावस्या तक जीव-जंतुओं के प्रति संवेदनशीलता का संदेश देते हुए नियमित सेवा कार्य भी किए गए। इसमें पक्षियों को दाना डालने, गायों को चारा खिलाने, चींटियों को मीठा देने और मछलियों को दाना डालने जैसी सेवाएं शामिल रहीं।इन सेवा कार्यों में संस्था की संरक्षक प्रतिभा मनचंदा, पूरन मनचंदा कनाडा और अंजू देवांगन ऑस्ट्रेलिया का सहयोग रहा। संस्था की इस पहल का उद्देश्य जरूरतमंदों की सेवा के साथ पशु-पक्षियों के प्रति करुणा, दया और संवेदनशीलता की भावना को बढ़ावा देना है।

दुर्ग के शनिचरी बाजार चौक पर गूंजा माता का जयकारा

49 वर्षों से निभ रही परंपरा में आमने-सामने आईं मां दुर्गा की दो प्रतिमाएं, पुष्पवर्षा कर हुई महाआरती

कार्नर न्यूज



दुर्ग। शंखध्वनि, ढोल-नगाड़ों की गूंज, पुष्पवर्षा और मां के जयकारों के बीच दुर्ग में आस्था का ऐसा दृश्य देखने को मिला, जिसने श्रद्धालुओं को भावुक कर दिया। श्री गंजपारा दुर्गा उत्सव समिति और श्री सतीचौरा मां दुर्गा मंदिर समिति की मां दुर्गा की प्रतिमाएं जब शनिचरी बाजार चौक पर आमने-सामने आईं, तो पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। दोनों माताओं के इस मिलन की परंपरा पिछले 49 वर्षों से निभाई जा रही है। श्रद्धालु इस क्षण को दो बहनों के मिलन के रूप में देखते हैं। दोनों ओर से पुष्पवर्षा की गई और विद्वान आचार्यों ने संगीत के साथ गंगा आरती की तर्ज पर महाआरती उतारी। सड़क के दोनों ओर बड़ी संख्या में श्रद्धालु इस भावपूर्ण दृश्य के साक्षी बने।



आपसी सौहार्द और अटूट आस्था का प्रतीक

समिति के सदस्यों मनोज शर्मा और विकास पुरोहित ने बताया कि यह केवल दो समितियों की प्रतिमाओं का मिलन नहीं, बल्कि शहर की साझा संस्कृति, आपसी सौहार्द और अटूट आस्था का प्रतीक है। गंजपारा के बुजुर्गों के अनुसार, पहले गंजमंडी में स्थापित होने वाली माता की प्रतिमा के साथ दूसरी माता भी विराजमान होती थीं। बाद में अलग-अलग समितियां गठित हुईं, लेकिन दोनों माताओं के मिलन की परंपरा आज भी कायम है। मान्यता है कि स्थापना के लिए पंडाल ले जाने से पहले दोनों प्रतिमाओं को एक-दूसरे के सामने से निकाला जाता है। श्रद्धालुओं के बीच यह विश्वास भी प्रचलित है कि दोनों माताओं के आमने-सामने होने के बाद ही उन्हें पंडाल में विराजमान कराया जाता है।

मां भगवती की कृपा का प्रतीक

इस परंपरा से जुड़ी कई मान्यताएं भक्तों की आस्था को और गहरा करती हैं। श्रद्धालु दोनों माताओं को बहनों के समान मानते हैं और उनके मिलन को मां भगवती की कृपा का प्रतीक समझते हैं। यही वजह है कि हर साल इस पल का इंतजार रहता है। जब दोनों प्रतिमाएं आमने-सामने आती हैं, तो भक्त हाथ जोड़कर मां का आशीर्वाद मांगते हैं। किसी की आंखों में खुशी के आंसू छलकते हैं, तो कोई जयकारों के साथ अपनी श्रद्धा व्यक्त करता है। सदस्यों ने कहा कि दो माताओं का यह मिलन शहर की धार्मिक परंपरा, प्रेम और सद्भाव का ऐसा प्रतीक है, जो पीढ़ियों से लोगों को जोड़ रहा है। मां के प्रति श्रद्धा के साथ इस परंपरा में रिश्तों की मिठास और सामूहिक आस्था का भाव भी दिखाई देता है। इस अवसर पर अरुण वोरा, राजेंद्र साहू, धीरज बाकलीवाल, चतुर्भुज राठी, अशोक राठी, अजय शर्मा, गौतम जैन, गोपाल शर्मा, नवल अग्रवाल, महेश टावरी, शैलेश तिवारी, रवि पीडियार, राजेश शर्मा, सुरेश गुप्ता, नरेंद्र गुप्ता, घनश्याम पंड्या, नरेंद्र शर्मा, विजय जैन, गुड्डू कश्यप, डब्बू चंद्रवंशी, अमित यादव, मनीष दुबे, राहुल शर्मा, मनोज गुप्ता, ललित शर्मा, राजू पुरोहित, सतबीर शर्मा, विवेक मिश्रा, विकेश मिश्रा, राहुल दुबे, निर्मल शर्मा, लक्की अग्रवाल, ओमप्रकाश टावरी, ईशान शर्मा, अर्जित शुक्ला, लाला, विनय मिश्रा, ऋषि गुप्ता, मोहित पुरोहित, हर्षद पारख, सोंटी गुप्ता, कृतज्ञ शर्मा, सोनल सेन, आशीष मेश्राम, प्रकाश कश्यप, प्रवीण अग्रवाल, चेतना जैन और अनमोल पांडेय सहित सैकड़ों श्रद्धालु एवं समिति सदस्य उपस्थित रहे।

सिटी स्पोर्ट्स

रणजी ट्रॉफी में सौराष्ट्र के 392 रन, छत्तीसगढ़ ने दूसरी पारी में संभाला मोर्चा



रायपुर। रणजी ट्रॉफी 2026-27 में छत्तीसगढ़ और सौराष्ट्र के बीच राजकोट के निरंजन शाह स्टेडियम में खेले जा रहे मुकाबले के दूसरे दिन छत्तीसगढ़ ने पहली पारी में तीन विकेट पर 122 रन बना लिए। दिन का खेल समाप्त होने तक छत्तीसगढ़ सौराष्ट्र से 270 रन पीछे था। छत्तीसगढ़ की ओर से अनुज तिवारी 72 रन और मयंक वर्मा 32 रन बनाकर नाबाद रहे। इससे पहले टॉस जीतकर छत्तीसगढ़ ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। सौराष्ट्र ने पहली पारी में 110.4 ओवर में सभी विकेट खोकर 392 रन बनाए। सौराष्ट्र की ओर से प्रेरक मांकड़ ने 129 रन की शानदार पारी खेली, जबकि रविंद्र जडेजा ने 102 रन बनाए। इसके अलावा चिराग जानी ने 83 और जय गोहिल ने 31 रन का योगदान दिया।छत्तीसगढ़ की ओर से देव आदित्य सिंह ने शानदार गेंदबाजी करते हुए पांच विकेट हासिल किए। वहीं, धर्मेंद्र सिंह जडेजा और अपना पहला रणजी मुकाबला खेल रहे रुद्र प्रताप देहरी ने दो-दो विकेट झटके। 392 रन के जवाब में छत्तीसगढ़ ने दूसरी पारी के बजाय अपनी पहली पारी में बल्लेबाजी करते हुए दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक 55 ओवर में तीन विकेट पर 122 रन बनाए।

राज्य स्तरीय जूडो चैंपियनशिप में बिलासपुर बना ओवरऑल चैंपियन, दुर्ग तीसरे स्थान पर



रायपुर। जिला खेल परिसर, सरकंडा में आयोजित 26वीं राज्य स्तरीय सब जूनियर एवं कैडेट जूडो चैंपियनशिप का 10 अक्टूबर को समापन हुआ। प्रतियोगिता में 16 जिलों के 350 खिलाड़ियों एवं तकनीकी अधिकारियों ने हिस्सा लिया। बिलासपुर ने 10 स्वर्ण, एक रजत और चार कांस्य पदक जीतकर ओवरऑल चैंपियन का खिताब हासिल किया। बलौदाबाजार-भाटापारा छह स्वर्ण, आठ रजत और सात कांस्य पदकों के साथ दूसरे, जबकि दुर्ग छह स्वर्ण, चार रजत और सात कांस्य पदकों के साथ तीसरे स्थान पर रहा।समापन समारोह में केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू मुख्य अतिथि रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता बेलतरा विधायक सुशांत शुक्ला ने की। अतिथियों ने विजेता खिलाड़ियों को पदक एवं प्रमाणपत्र प्रदान किए। तोखन साहू ने जूडो को विशेषकर बालिकाओं की आत्मरक्षा के लिए उपयोगी बताते हुए खिलाड़ियों को देश और प्रदेश का नाम रोशन करने के लिए प्रोत्साहित किया।

छत्तीसगढ़ अंडर-19 टीम की लगातार तीसरी जीत, उत्तर प्रदेश को 7 विकेट से हराया



रायपुर। बीसीसीआई की वीनू मांकड़ अंडर-19 वनडे ट्रॉफी 2026-27 में छत्तीसगढ़ की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए लगातार तीसरी जीत दर्ज की। 12 अक्टूबर को पुडुचेरी में खेले गए मुकाबले में छत्तीसगढ़ ने उत्तर प्रदेश को 7 विकेट से पराजित किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए उत्तर प्रदेश की टीम 47.5 ओवर में 229 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। भवि शर्मा ने 94 रन और हेमंत अवस्थी ने 50 रन की पारी खेली। छत्तीसगढ़ की ओर से धनंजय नायक ने तीन विकेट लिए, जबकि फैज खान और शिवम यादव ने दो-दो विकेट हासिल किए। 230 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी छत्तीसगढ़ की टीम ने 43.4 ओवर में तीन विकेट खोकर 231 रन बनाते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया। अमेय मोरे ने 107 गेंदों में 104 रन की शानदार शतकीय पारी खेली। वहीं, आदित्य वर्मा ने 75 रन और कप्तान फैज खान ने नाबाद 18 रन बनाए। इस जीत के साथ छत्तीसगढ़ की टीम ने टूर्नामेंट में अपना विजय अभियान जारी रखा।

विप्र कॉलेज लगातार छठवीं बार बना इंटर कॉलेज वॉलीबॉल चैंपियन



रायपुर। शासकीय महाविद्यालय गरियाबंद द्वारा आयोजित इंटर कॉलेज वॉलीबॉल प्रतियोगिता में विप्र कॉलेज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए लगातार छठवीं बार चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। फाइनल मुकाबले में विप्र कॉलेज ने शासकीय महाविद्यालय कुरूद को सीधे दो सेटों में 25-23 और 25-18 से हराकर खिताब अपने नाम किया। युवराज सिंह को बेस्ट सेटर घोषित किया गया, जबकि डॉ. ज्ञानेंद्र टीम मैनेजर रहे। प्रतियोगिता के पहले मुकाबले में विप्र कॉलेज ने टीसीएस गरियाबंद को 15-5 और 15-6 से हराया। इसके बाद महाराजा अग्रसेन कॉलेज को 15-5 और 15-7 से पराजित कर सेमीफाइनल में जगह बनाई। सेमीफाइनल में विप्र कॉलेज ने मेजबान शासकीय महाविद्यालय गरियाबंद को कड़े मुकाबले में 25-12, 26-27 और 15-9 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया।

स्वाद और सेहत दोनों के लिए हैं बेस्ट

नवरात्रि व्रत के 9 दिन फलाहार में ट्राई करें अलग-अलग रेसिपीज

नवरात्र के पावन पर्व की शुरुआत हो चुकी है। इस बीच रोज-रोज एक ही तरह का फलाहार खाकर हर किसी का मन ऊब जाता है। ऐसे में, सबसे बड़ी परेशानी यह होती है कि हर दिन ऐसा क्या बनाया जाए, जो स्वाद में भी नया लगे और सेहत के लिए भी फायदेमंद साबित हो। जी हां, हम आपके लिए लेकर आए हैं 9 ऐसी खास और आसान रेसिपीज जिन्हें आप नवरात्र के 9 दिनों में हर दिन ट्राई कर सकते हैं और अपने व्रत के खाने को स्वादिष्ट और मजेदार बना सकते हैं।



शकरकंद बॉल्स

शकरकंद बॉल्स एक स्वादिष्ट और पौष्टिक विकल्प हैं। इन्हें बनाने के लिए, उबली हुई शकरकंद को मैश करके उसमें सेंधा नमक, काली मिर्च और भुना जीरा पाउडर मिला लें। फिर इसके छोटे-छोटे बॉल्स बनाकर तल लें या एयर-फ्रायर में पका लें। आप इसे चटनी के साथ या सिर्फ ऐसे ही खा सकते हैं।

साबूदाना वड़ा

साबूदाना वड़ा व्रत में सबसे लोकप्रिय व्यंजनों में से एक है। इन्हें बनाने के लिए, भिगोए हुए साबूदाने को उबले आलू, कुटी हुई मूंगफली, हरी मिर्च और सेंधा नमक के साथ मिलाएं। फिर इसके वड़े बनाकर सुनहरा और कुरकुरा होने तक तलें। इसे दही या व्रत वाली चटनी के साथ सर्व करें।

पान की मिठाई

यह एक अनोखी और स्वादिष्ट मिठाई है। इसे बनाने के लिए, पान के पत्तों को पीसकर उसमें गुलकंद, सौंफ, और कुछ मेवे मिलाकर छोटी-छोटी बॉल्स बना लें। यह न केवल स्वादिष्ट है, बल्कि ताजगी भी देती है।

पनीर केला रोल्स

यह एक प्रोटीन से भरपूर स्नैक है। इसे बनाने के लिए, मैश किए हुए पनीर और कच्चे केले को हरी मिर्च, सेंधा नमक और मसालों के साथ मिलाकर रोल बनाएं। इन्हें हल्का तलकर या पैन-फ्राई करके खाएं।

फलों का श्रीखंड

व्रत में कुछ मीठा और ठंडा खाने का मन करे तो फलों का श्रीखंड सबसे अच्छा विकल्प है। हंग कर्ड (गाढ़े दही) में पिसी हुई चीनी, इलायची पाउडर और अपनी पसंद के ताजे फल जैसे अंगूर, सेब और अनार के दाने मिला दें। इसे ठंडा करके परोसें।

समा चावल फिरनी

समा के चावल से बनी फिरनी एक स्वादिष्ट और क्रीमी डेजर्ट है। इसे बनाने के लिए, समा चावल को दूध में पकाकर उसमें चीनी और इलायची पाउडर मिला लें। ऊपर से कटे हुए मेवे डालकर परोसें।

साबूदाना वॉफल

अगर आप कुछ नया ट्राई करना चाहते हैं, तो साबूदाना वॉफल बना सकते हैं। भिगोए हुए साबूदाने को आलू और मसालों के साथ मिलाकर वॉफल मेकर में पकाएं। यह बाहर से कुरकुरे और अंदर से नरम होते हैं।

राजगिरा लड्डू

राजगिरा लड्डू एक ट्रेडिशनल और एनर्जी देने वाला फलाहार है। राजगिरा के दानों को भूनकर गुड़ की चाशनी में मिलाकर छोटे-छोटे लड्डू बना लें। ये उपवास के दौरान आपको ऊर्जावान बनाए रखते हैं।

बादाम रोज हलवा

यह हलवा न केवल स्वादिष्ट है, बल्कि सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद है। बादाम को पीसकर घी में भूनें और उसमें दूध, चीनी और गुलाब जल या रोज एसेंस मिला दें। यह एक शाही और पौष्टिक मिठाई है।



सर्दियों में गर्माहट के साथ हाइड्रेट रखने में मदद कर सकते हैं घरेलू पेय पदार्थ

सर्दियों में ठंड की वजह से लोग अक्सर गर्म पेय का सेवन करते हैं, लेकिन इस मौसम में शरीर को पानी की कमी से बचाना भी जरूरी है। इसके लिए गर्माहट देने वाले पेय का सेवन करना फायदेमंद हो सकता है। आइए आज हम आपको ऐसे पेय की रेसिपी बताते हैं, जो न केवल स्वादिष्ट हैं, बल्कि सर्दियों में आपको गर्माहट देने और हाइड्रेट रखने में भी मदद कर सकते हैं। इन पेय को बनाना भी आसान है।

मसाला चाय : सबसे पहले एक पैन में पानी डालकर उबालें, फिर इसमें चायपत्ती डालें। अब इसमें अदरक, दालचीनी, इलायची और लौंग डालें और पानी को अच्छे से उबालने दें। जब पानी का रंग बदल जाए तो इसमें दूध और शक्कर डालकर फिर से उबालें। जब मिश्रण अच्छे से उबल जाए तो इसे एक कप में छानकर डालें और गर्मागर्म मसाला चाय का आनंद लें। यह चाय न केवल स्वादिष्ट है, बल्कि रोगों से लड़ने की ताकत बढ़ाने में भी सहायक है।

हल्दी वाला दूध : हल्दी वाला दूध बनाने के लिए सबसे पहले एक पैन में दूध डालकर उसे गर्म करें, फिर उसमें एक चम्मच हल्दी पाउडर डालें।



इसके बाद इसमें थोड़ा-सा काली मिर्च का पाउडर डालें और अच्छे से मिलाएं। अब इस मिश्रण को धीमी आंच पर 5-10 मिनट तक पकाएं। जब दूध गाढ़ा हो जाए तो गैस बंद कर दें और इसे एक कप में डालकर गर्मागर्म पिएं।

ग्रीन टी : ग्रीन टी बनाने के लिए सबसे पहले एक पैन में पानी डालकर उसे गर्म करें, फिर इसमें एक बैग ग्रीन टी डालें या पत्तियां डालें। अब इसे 3-4 मिनट तक उबालें। इसके बाद इसे एक कप में डालें और इसमें स्वादानुसार शहद मिलाएं। आप चाहें तो इसमें थोड़ा नींबू रस भी मिला सकते हैं। यह पेय शरीर की सफाई करने में मदद करता है और सर्दियों में भी आपको ताजगी महसूस कराता है।

अदरक वाली चाय

अदरक वाली चाय बनाने के लिए सबसे पहले एक पैन में पानी डालकर उसे गर्म करें, फिर इसमें बारीक कटी हुई अदरक डालें। अब इसमें एक चम्मच चायपत्ती डालें और जब तक कि पानी का रंग बदल न जाए तब तक इसे पकाएं। इसके बाद इसमें दूध और शक्कर मिलाकर फिर से पकाएं। जब चाय अच्छे से उबल जाए तो इसे एक कप में छानकर डालें और गर्मागर्म अदरक वाली चाय का आनंद लें।

खजूर और अखरोट का दूध

खजूर और अखरोट के दूध के लिए सबसे पहले एक पैन में दूध गर्म करें, फिर इसमें कटे हुए खजूर और अखरोट डालें। अब इसमें थोड़ी सी इलायची का पाउडर डालें और अच्छे से मिलाएं। इसके बाद इस मिश्रण को धीमी आंच पर 5-10 मिनट तक पकाएं। जब दूध गाढ़ा हो जाए तो गैस बंद कर दें और इसे एक कप में डालकर गर्मागर्म पिएं।

घर पर स्वादिष्ट पापड़ी चाट बनाने के लिए अपनाएं ये आसान स्टेप्स

पापड़ी चाट एक स्वादिष्ट और कुरकुरी स्नैक है, जिसे आप घर पर आसानी से बना सकते हैं। यह चाट खासतौर से गर्मियों में बनाई जाती है क्योंकि इसमें इस्तेमाल होने वाले सामग्री ताजे और सेहतमंद होते हैं। इस चाट की खासियत इसकी कुरकुरी पापड़ियों और मसालेदार चटनी में है। आइए आज हम आपको घर पर पापड़ी चाट बनाने की आसान रेसिपी बताते हैं, जिसे आप कुछ ही मिनटों में तैयार कर सकते हैं।



पापड़ियां बनाने का तरीका : पापड़ियां बनाने के लिए आपको बेसन, अजवाइन, नमक और पानी की जरूरत होगी। बेसन में अजवाइन मिलाकर उसे पानी से गूंथ लें ताकि एक नरम आटा तैयार हो सके। अब इस आटे को छोटी-छोटी गोल आकार में बेल लें। इसके बाद इन्हें धीमी आंच पर गर्म तेल में तलें जब तक कि वे सुनहरी न हो जाएं। तली हुई पापड़ियों को एक प्लेट में निकाल लें ताकि अतिरिक्त तेल निकल जाए।

आलू भरने की विधि : आलू भरने के लिए आपको उबले हुए आलू, हरी मिर्च, नमक, धनिया पत्ती और नींबू का रस चाहिए। उबले हुए आलू को छीलकर छोटे टुकड़ों में काट लें। अब एक बर्तन में इन टुकड़ों को हरी मिर्च, नमक और नींबू के रस के साथ मिलाएं। इस मिश्रण को अच्छे से मिलाने के बाद आपका आलू भरने के लिए तैयार हो जाएगा।

चटनी बनाने का तरीका : पापड़ी चाट के लिए आपको 3 प्रकार की चटनियों की जरूरत होगी, जो कि हरी चटनी, इमली की चटनी और दही है। हरी चटनी बनाने के लिए पुदीना, हरी मिर्च, लहसुन और नमक को मिक्सर में डालकर पीस लें। इमली की चटनी बनाने के लिए इमली, गुड़, लाल मिर्च पाउडर और नमक को मिक्सर में डालकर गाढ़ा पेस्ट बना लें। दही के लिए दही को अच्छे से फेंटें।

चाट को अंतिम रूप कैसे दें : अब बारी आती है चाट को अंतिम रूप देने की। सबसे पहले एक प्लेट में तली हुई पापड़ियों को रखें, फिर इसके ऊपर उबले हुए आलू का मिश्रण डालें। इसके बाद ऊपर से हरी चटनी, इमली की चटनी और दही डालें। अंत में इस पर थोड़ा सा भुना जीरा पाउडर और लाल मिर्च पाउडर छिड़कें। आपकी स्वादिष्ट पापड़ी चाट तैयार है। इसे तुरंत परोसें ताकि इसका कुरकुरापन बना रहे।

नवरात्रि उपवास के लिए तैयार करें स्नैक्स, कम समय में झटपट बनाएं



सनातन धर्म में चैत्र नवरात्रि का पर्व बड़े ही धूमधाम से मना जाता है। इस दौरान मां दुर्गा के नौ दिनों तक नौ स्वरूपों की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की जाती है। कई लोग नवरात्रि के नौ दिनों तक व्रत भी रखते हैं। इस दौरान फलाहार और हल्का भोजन किया जाता है, जिससे शरीर को ऊर्जा मिलती रहे और भूख न लगे। कई बार कम समय होने के चलते लोगों को समझ नहीं आता कि क्या बनाएं, खासकर ऑफिस जाने वालों को ये समस्या रहती है। ऐसे में यहां पर आसान व्रत रेसिपी बताई गई हैं, जिसे व्रत के दौरान कम समय में बना सकते हैं।

सिंघाड़े का आटे के पकौड़े : व्रत के दौरान सिंघाड़े के आटे से बनी चीजों का सेवन खूब किया जाता है। ऐसे में नवरात्रि के दिनों में इसके पकौड़े बना सकते हैं। इसके लिए एक कप सिंघाड़े के आटे में, सेंधा नमक, जीरा, लाल मिर्च पाउडर और पानी मिलाकर घोल तैयार कर लें। इसमें उबले आलू और हरा धनिया डालकर स्वाद बढ़ा सकते हैं।

कुट्टू आटे के पैनकेक : कुट्टू आटे से पैनकेक बना सकते हैं। यह एक हल्का और पौष्टिक नाश्ता होता है। इसके लिए 1 कप कुट्टू का आटा, 1 कप दही, हरी मिर्च, जीरा और सेंधा नमक मिलाकर बैटर तैयार कर लें। तवे पर हल्का घी डालकर गर्म कर लें और फिर इसपर बैटर को डालकर फैल दें। जब ये दोनों तरफ से सुनहरा हो जाए, तो इसे परोस सकते हैं।

साबूदाना वड़ा : किसी भी उपवास के दौरान सबसे अधिक खाए जाने वाले खाद्य पदार्थों में से एक साबूदाना भी है। नवरात्रि के दिनों में साबूदाना वड़ा बना सकते हैं। इसके लिए 1 कप साबूदाना भिगोकर रात में रख दें। सुबह इसे छानकर इसमें उबले आलू, पीसी हुई मूंगफली, अदरक, हरी मिर्च और सेंधा नमक मिलाकर घी में तल लें। जब दोनों तरफ से सुनहरा हो जाए तो इसे सर्व कर सकते हैं।

सामक चावल की खिचड़ी : सामक चावल को समा का चावल भी कहा जाता है। व्रत के दौरान इसकी लोग खिचड़ी बना कर खाते हैं। नवरात्रि उपवास के दौरान आधा कप सामक चावल भिगोकर 2-3 घंटे के लिए रख दें। इसके बाद इसमें आलू, घी, जीरा, हरी मिर्च और सेंधा नमक डालकर कुकर में पका सकते हैं।

कार्नर न्यूज

तापमान 20 से 25 डिग्री सेल्सियस के बीच रहता है, जो हल्के स्वेटर या जैकेट पहनने का सही मौका है

अक्टूबर की ठंडी शामों के लिए ऐसे करें कपड़ों की लेयरिंग, ठंड से बचें, दिखें खास

अक्टूबर की ठंडी शामें सुकून भरी होती हैं, लेकिन इनकी ठंड से बचने के लिए सही कपड़े चुनना जरूरी है। इस समय तापमान 20 से 25 डिग्री सेल्सियस के बीच रहता है, जो हल्के स्वेटर या जैकेट पहनने का सही मौका है। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे तरीके बताएंगे, जिनसे आप इन शामों में आरामदायक और स्टाइलिश महसूस कर सकते हैं। इन फैशन टिप्स को अपनाकर आप ठंड से भी बचेंगे और आकर्षक भी दिखेंगे।



जींस के अंदर लेगिंग पहनें

नीचे जींस पहनकर अपने लुक को पूरा करें। जींस हमेशा से ही लोकप्रिय रही हैं, क्योंकि ये हर मौसम में चलती हैं और इन्हें कई तरह के टॉप के साथ पहना जा सकता है। ठंड ज्यादा हो तो बचाव के लिए जींस के अंदर एक अच्छी गुणवत्ता वाली लेगिंग भी लेयर कर लें। इससे आपके पैर गर्म रहेंगे और उन्हें आराम भी मिलेगा। लेगिंग के अलावा आप जेगिंग या स्टॉकिंग भी पहन सकते हैं।

स्वेटर या कार्डिगन चुनें

हल्के कपड़ों के ऊपर एक सुंदर स्वेटर या कार्डिगन पहनें। यह न केवल आपको गर्म रखेगा, बल्कि आपके लुक को भी खास बनाएगा। ऊनी या एक्रिलिक स्वेटर चुनें, जो हल्के हों और आसानी से पहने जा सकें। आप चाहें तो अलग-अलग रंगों और डिजाइनों में स्वेटर या कार्डिगन चुन सकते हैं, जो आपके बाकी कपड़ों के साथ मेल खाते हों। इस तरह आप आरामदायक भी रहेंगे और स्टाइलिश भी दिखेंगे।

जूते का ध्यान रखें

जूते का चुनाव भी उतना ही अहम है, जितना कि बाकी कपड़ों का। ठंडी शामों में आरामदायक जूते चुनें, जैसे कि स्नीकर्स या लोफर्स। ये न केवल आपके पैरों को आराम देंगे, बल्कि आपके पूरे लुक को भी खास बना देंगे। इसके अलावा आप चाहें तो हल्के मोजे भी पहन सकते हैं, जो आपके पैरों को गर्म रखेंगे और ठंड से बचाएंगे। इस तरह आप पूरी तरह से तैयार रहेंगे और ठंड से सुरक्षित भी रहेंगे।

एक्सेसरीज न भूलें

एक्सेसरीज आपके लुक को खास बनाने में अहम भूमिका निभाती हैं। मफलर, टोपी या स्कार्फ जैसी एक्सेसरीज न केवल स्टाइलिश होती हैं, बल्कि ठंड से भी बचाती हैं। इनसे आपका लुक पूरा होता है और आप हर जगह आकर्षक दिखते हैं। इन सरल टिप्स को अपनाकर आप अक्टूबर की ठंडी शामों में आरामदायक और स्टाइलिश महसूस कर सकते हैं। सही कपड़ों की लेयरिंग से ठंड से बचें और हर मौके पर खास दिखें।



पहनें सूती या लिनेन के कपड़े

अक्टूबर की ठंडी शामों में हल्के कपड़े पहनना सबसे अच्छा तरीका है। सूती या लिनेन के कपड़े न केवल आरामदायक होते हैं, बल्कि त्वचा को हवा भी लगने देते हैं। इनमें आप सहज महसूस करेंगे और ठंड से भी बच सकेंगे। इसके अलावा ये कपड़े आसानी से धोए जा सकते हैं और जल्दी सूख जाते हैं, जिससे आपको किसी तरह की परेशानी नहीं होगी। इनकी देखभाल भी आसान होती है, जो इन्हें रोजमर्रा के उपयोग के लिए सही बनाता है।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

भारतीय संस्कृति का मजाक उड़ाने पर थाई अभिनेता ने मांगी माफी



भारतीय संस्कृति और बॉलीवुड को लेकर की गई एक छोटी-सी हरकत कब विवाद का रूप ले ले, इसका ताजा उदाहरण थाई एक्टर फोर्थ नट्टावत हैं। दरअसल, एक टीवी शो में बॉलीवुड हीरो का अंदाजा लगाने के लिए एक्टर ने कुछ ऐसे हाव-भाव किए, जिससे भारतीय दर्शक नाराज हो गए। देखते ही देखते इस सेगमेंट का वीडियो चर्चा में आ गया। विवाद बढ़ने के बाद फोर्थ ने भारतीय फैंस से माफी मांगते हुए कहा कि उनका किसी भी देश या समुदाय का मजाक उड़ाने का इरादा नहीं था। यह मामला थाई शो 'ए थाई लेट-नाइट शो' का है, जिसे कातान्यू सावांगस्त्री होस्ट करते हैं। शो में फोर्थ नट्टावत अपने साथी एक्टर जेमिनी नोराविट टिटिचारोएनरक के साथ पहुंचे थे। इस दौरान दोनों ने एक गेम खेला, जिसमें फोर्थ की आंखों पर पट्टी बांध दी गई और उन्हें बॉलीवुड हीरो का अंदाजा लगाना था। गेम में जेमिनी को बिना शब्द बोले इशारों से फोर्थ को सही जवाब तक पहुंचाना था। इस दौरान फोर्थ ने सिर को तेजी से हिलाया, हाथ फैलाए और कई तरह के नाटकीय हाव-भाव किए। जवाब का अंदाजा लगाने के लिए उन्होंने धूम मचाले गाना भी गाया, लेकिन वह सही जवाब नहीं दे पाए। इस गेम का वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया तो कई भारतीय दर्शकों ने नाराजगी जताई। उनका कहना था कि इस तरह के इशारे भारतीय डांस और संस्कृति का गलत रूप दिखाते हैं।

टॉलीवुड

प्रभास की फौजी की नई रिलीज डेट आई सामने



प्रभास की अपकमिंग फिल्म 'फौजी' का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस पीरियड एक्शन ड्रामा फ़िल्म के शुरू में दिसंबर 2026 में रिलीज होने की उम्मीद थी। हालांकि, प्रोडक्शन के दौरान शेड्यूल में बदलाव की वजह से इसकी सिनेमाघरों में दस्तक देने की तारीख टल गई थी। लेकिन अब 'फौजी' की नई रिलीज डेट सामने आई है। हालांकि, इसकी वजह से अब एक्टर की एक और फिल्म की तारीख पर असर पड़ सकता है। एक की रिपोर्ट के मुताबिक, मेकर्स प्रभास स्टारर 'फौजी' को सिनेमाघरों में रिलीज करने के लिए 18 मार्च, 2027 की तारीख सोच रहे हैं। बताया जा रहा है कि टीम अभी इंटरवल ब्लॉक की शूटिंग कर रही है और दिसंबर 2026 के मीड तक प्रोडक्शन पूरा होने की उम्मीद है। अगर यह तारीख तय हो जाती है, तो प्रभास की दो बड़ी फ़िल्में एक ही महीने में रिलीज हो सकती हैं। इससे 'स्पिरिट' की रिलीज प्लानिंग में बदलाव हो सकता है, जिसकी घोषणा 5 मार्च, 2027 के लिए की गई थी. हालांकि, किसी भी फिल्म के शेड्यूल में बदलाव की ऑफिशियल कंफर्मेशन नहीं हुई है। इन सबके बीच मेकर्स 23 अक्टूबर, 2026 को 'फौजी' का टीजर रिलीज करने की प्लानिंग कर रहे हैं। 'फौजी' एक अपकमिंग पीरियड एपिक फिल्म है जिसमें प्रभास ऐतिहासिक बैकग्राउंड पर बेस्ड एक फिक्सनल कहानी में एक अफसर की भूमिका निभा रहे हैं। इस फिल्म से इंटरनेट पर्सनैलिटी इमानवी एक्टिंग में डेब्यू कर रही हैं। फिल्म के अन्य कलाकारों में मिथुन चक्रवर्ती, अनुपम खेर और जया प्रदा शामिल हैं।

भोजपुरी

आम्रपाली और विक्रांत की 'बीवी हो तो ऐसी'का ट्रेलर रिलीज



बिग बॉस के घर में अपने अंदाज से दर्शकों का मनोरंजन कर रहीं भोजपुरी एक्ट्रेस आम्रपाली दुबे अब बड़े पर्दे पर भी धमाल मचाने को तैयार हैं। रेणु विजय फिल्म्स एंटरटेनमेंट प्रा. लि. के बैनर से बनी फिल्म 'बीवी हो तो ऐसी'का 1 मिनट 47 सेकेंड का ट्रेलर रिलीज हो गया है, जो रिलीज के साथ ही दर्शकों की उत्सुकता बढ़ा रहा है। एडवाइज भोजपुरी सिनेमा के ऑफिशियल यूट्यूब समेत अन्य चैनलों पर रिलीज ट्रेलर में आम्रपाली के साथ सुपर स्टार विक्रांत सिंह राजपूत की जोड़ी नजर आ रही है। ट्रेलर की शुरुआत आम्रपाली दुबे के वकील बनने के सपने से होती है, लेकिन कहानी शादी के बाद रिश्तों की उलझनों और पति-पत्नी के अलग-अलग स्वभाव के बीच पहुंच जाती है। कहानी में भावनाओं के साथ मनोरंजन का तड़का भी देखने को मिलता है। खासकर ट्रेलर का क्लाइमेक्स दर्शकों को चौंकाने के साथ मुस्कुराने पर मजबूर करता है। अब असली राज क्या है, इसके लिए फिल्म के प्रीमियर का इंतजार करना होगा। फिल्म के निर्माता निशांत उज्जवल और लेखक-निर्देशक सोम भूषण हैं। निर्माता निशांत उज्जवल ने फिल्म को लेकर दावा किया कि यह पारिवारिक मनोरंजन के साथ रिश्तों की एक दिलचस्प कहानी पेश करेगी. उन्होंने कहा कि ट्रेलर की प्रतिक्रिया से दर्शकों के बीच फिल्म को लेकर उत्सुकता बढ़ी है और जल्द ही फिल्म का प्रीमियर किया जाएगा। फिल्म के निर्माता निशांत उज्जवल ने आम्रपाली दुबे और विक्रांत सिंह राजपूत की जोड़ी को लेकर कहा कि दोनों कलाकारों ने अपने किरदारों को बेहद सहजता और प्रभावशाली अंदाज में निभाया है। उनके बीच की केमिस्ट्री फिल्म की कहानी को और दिलचस्प बनाती है। निशांत ने कहा कि 'बीवी हो तो ऐसी' में आम्रपाली और विक्रांत को एक अलग अंदाज में देखने को मिलेगा, जो दर्शकों का भरपूर मनोरंजन करेगा. फिल्म पारिवारिक रिश्तों, भावनाओं और हास्य के साथ दर्शकों को बांधे रखने की पूरी कोशिश करती है।

मुंबई में आयोजित एक इवेंट में हुमा कुरैशी ब्लैक ऑफ शोल्डर आउटफिट में पहुंचीं। उन्होंने व्हाइट ज्वेलरी और खुले बालों से अपने लुक को पूरा किया। इवेंट में उन्होंने कैमरे के सामने पोज दिए।



ब्लैक ऑफ शोल्डर आउटफिट में छाईं हुमा

लाइफ स्टाइल

दुर्गा पूजा: पंडाल घूमने के लिए महिलाएं पहनें ऐसी पोशाक जो रहे आरामदायक, दिखे स्टाइलिश

दुर्गा पूजा के दौरान पंडाल घूमने का अपना एक अलग ही मजा होता है। इस दौरान महिलाएं न केवल मां दुर्गा की पूजा करती हैं, बल्कि अपने फैशन से सबका दिल भी जीतती हैं। अगर आप इस बार दुर्गा पूजा पर पंडाल घूमने जा रही हैं तो आप इन सुंदर पोशाकों में तैयार हो सकती हैं। इन्हें पहनकर न केवल आप खूबसूरत नजर आएंगी, बल्कि त्योहार के सार को भी दर्शा पाएंगी।

तांत साड़ी : तांत साड़ी पश्चिम बंगाल की एक खासियत है। यह न केवल देखने में सुंदर लगती है, बल्कि इसे पहनने से एक शाही अंदाज भी मिलता है। यह साड़ी कॉटन से बनी होती है और सफेद व लाल रंग की होती है। इसे पहनकर आराम मिलता है और आप आसानी से इसे अलग-अलग स्टाइल में बांध भी सकती हैं। पंडाल घूमने जाएं तो इसे पारंपरिक बंगाली स्टाइल में ही बांधें, ताकि आपका लुक सबसे खास लगे।

ढाकाई जामदानी : ढाकाई जामदानी में पश्चिम बंगाल का खूबसूरत शिल्प कौशल दिखाई देता है। इस साड़ी में आकारों और फूलों वाले पैटर्न शामिल होते हैं। ये साड़ियां न केवल देखने में सुंदर लगती हैं, बल्कि पहनने में भी



आरामदायक होती हैं। इन साड़ियों को रोजमर्रा के उपयोग के लिए आदर्श माना जाता है। ढाकाई जामदानी में कई रंगों और डिजाइनों का चयन उपलब्ध होता है, जो इन्हें और भी आकर्षक बनाता है।

कुर्ता-प्लाजो सेट : अगर आप किसी ऐसे कपड़े की तलाश में हैं, जो आरामदायक होने के साथ-साथ स्टाइलिश भी हो तो कुर्ता-प्लाजो सेट एक अच्छा विकल्प हो सकता है। आप किसी भी रंग या डिजाइन का कुर्ता चुन सकती हैं, जो आपके चेहरे पर निखार लाएगा। प्लाजो को चुनते समय ध्यान रखें कि वह ढीला-ढाला हो, ताकि चलने-फिरने में कोई दिक्कत न हो।

कांथा स्टिच साड़ी

कांथा स्टिच पश्चिम बंगाल की एक पारंपरिक कला है, जिसमें साड़ी पर हाथ से कढ़ाई की जाती है। यह साड़ी बहुत ही सुंदर लगती है और इसमें चमकीले रंगों का उपयोग होता है। कांथा स्टिच साड़ी को पहनने से महिला का लुक बेहद ही खास लगता है। इस साड़ी को त्योहारों और खास मौकों पर पहनना बहुत ही लोकप्रिय है, जिससे आप हर मौके पर आकर्षक दिख सकती हैं। इसे पहनकर आप दुर्गा पूजा में सबसे अलग दिखेंगी।

डांडिया नाइट में आकर्षक दिखने के लिए पुरुष पहन सकते हैं ये पारंपरिक परिधान

फैशन





डांडिया नाइट नवरात्रि का एक अहम हिस्सा है, जहां लोग पारंपरिक कपड़े पहनकर गरबा और डांडिया का आनंद लेते हैं। इस अवसर पर पुरुषों के लिए पारंपरिक परिधान चुनना एक अच्छा विचार हो सकता है। पारंपरिक परिधानों में न केवल आप आकर्षक दिखेंगे, बल्कि आपको आराम भी मिलेगा। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे पारंपरिक परिधान के बारे में बताते हैं, जो डांडिया नाइट में पुरुषों के पहनने के लिए उपयुक्त हैं।

धोती-कुर्ता : धोती-कुर्ता एक पारंपरिक भारतीय परिधान है, जो डांडिया नाइट के लिए बहुत अच्छा विकल्प हो सकता है। सफेद या हल्के रंग की धोती और कुर्ते का मेल बहुत आकर्षक लगता है। इसमें आप आरामदायक महसूस करेंगे और यह नाचने में भी कोई बाधा नहीं डालेगा। इसके साथ एक सुंदर-सा शॉल या दुपट्टा जोड़कर आप अपने लुक को और भी खास बना सकते हैं। इस तरह का परिधान न केवल पारंपरिक लगता है, बल्कि स्टाइलिश भी दिखता है।

बनारसी शर्ट और पैंट : अगर आप कुछ अलग और स्टाइलिश चाह रहे हैं तो बनारसी शर्ट और पैंट का मेल बेहतरीन रहेगा। बनारसी कपड़े की शर्ट पर कढ़ाई या जरी की सजावट होनी चाहिए, जिससे आपका लुक शाही लगेगा। इसे सफेद या क्रीम रंग की पैंट के साथ पहनें, ताकि आपका लुक और भी खास लगे। इस तरह की शर्ट और पैंट का मेल न केवल आपको आकर्षक दिखाएगा, बल्कि आपको पूरे समय आरामदायक भी महसूस होगा।

कुर्ता-पायजामा : कुर्ता-पायजामा हमेशा से ही पारंपरिक अवसरों पर पहने जाने वाले कपड़ों में शामिल रहा है। इसमें आप किसी भी रंग का कुर्ता चुन सकते हैं। हालांकि, पायजामा सफेद होना चाहिए, ताकि दोनों का मेल अच्छा लगे। कुर्ते पर हल्की कढ़ाई या प्रिंट हो तो यह और भी आकर्षक लगेगा। इस तरह का परिधान न केवल आपको पारंपरिक दिखाएगा, बल्कि नाचने में भी कोई दिक्कत नहीं होगी और आप पूरे समय आरामदायक महसूस करेंगे।

ऑक्सीडाइज्ड गहनों की चमक बढ़ाने के लिए अपनाएं आसान तरीके, हो जाएंगे

ऑक्सीडाइज्ड गहनों की चमक और खूबसूरती उन्हें खास अवसरों और पारंपरिक आयोजनों के लिए आदर्श बनाती है। हालांकि, समय के साथ इनकी चमक फीकी पड़ सकती है। सही देखभाल से आप अपने ऑक्सीडाइज्ड गहनों को फिर से नए जैसा बना सकते हैं। इस लेख में हम आपको कुछ सरल और प्रभावी तरीके बताएंगे, जिनसे आप अपने ऑक्सीडाइज्ड गहनों की सफाई कर सकते हैं और उन्हें लंबे समय तक सुरक्षित रख सकते हैं।

मुल्तानी मिट्टी का उपयोग करें : मुल्तानी मिट्टी का उपयोग करना एक पुराना और असरदार तरीका है। इसे पानी में घोलकर पेस्ट बना लें और अपने ऑक्सीडाइज्ड गहनों पर लगाएं। 10-15 मिनट बाद इसे साफ पानी से धो लें। इससे आपके गहनों की गंदगी साफ हो जाएगी और उनकी चमक वापस आ जाएगी। मुल्तानी मिट्टी में मौजूद तत्व गहनों की सफाई करते हैं और उन्हें नए जैसा बना देते हैं। यह तरीका न केवल सस्ता है, बल्कि सुरक्षित भी है।



नींबू का रस भी है कारगर

नींबू का रस एक प्राकृतिक सफाई करने वाला पदार्थ है, जो आपके ऑक्सीडाइज्ड गहनों को साफ करने में मदद कर सकता है। इसके लिए नींबू के रस को पानी में मिलाकर अपने गहनों को उसमें डुबोएं और कुछ मिनट बाद एक मुलायम कपड़े से पोंछ लें। इससे आपके गहनों की चमक वापस आ जाएगी और वे नए जैसे लगेंगे। नींबू में मौजूद खट्टा तत्व गंदगी को हटाता है और गहनों को फिर से चमकदार बना देता है।

टूथपेस्ट का करें इस्तेमाल

टूथपेस्ट का उपयोग करना एक आसान और असरदार तरीका हो सकता है। इसके लिए थोड़ी मात्रा में टूथपेस्ट लें और उसे हल्के हाथों से अपने गहनों पर रगड़ें, फिर गुनगुने पानी से धो लें। इससे आपके गहनों की गंदगी साफ हो जाएगी और उनकी चमक वापस आ जाएगी। टूथपेस्ट में मौजूद तत्व गंदगी को हटाते हैं और गहनों को फिर से चमकदार बना देते हैं। यह तरीका न केवल सस्ता है, बल्कि हर किसी के लिए संभव भी है।

चनिया चोली के साथ इन तरीकों से पहनें दुपट्टा, दिखेंगी सबसे अलग, बेहद खूबसूरत

गुजरात की पारंपरिक पोशाक चनिया चोली न केवल सुंदर है, बल्कि इसमें एक पारंपरिक लुक भी मिल जाता है। त्योहारों और विशेष अवसरों पर यह पोशाक बहुत पसंद की जाती है। चनिया चोली के साथ दुपट्टा पहनने से आपका लुक और भी खास लगता है। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे तरीके बताएंगे, जिनसे आप अपनी चनिया चोली के साथ दुपट्टा पहन सकती हैं और खूबसूरत दिख सकती हैं।

सिर पर ओढ़ें : सिर पर दुपट्टा ओढ़ना एक पारंपरिक तरीका है, जो आपको एक शाही लुक देता है। इसके लिए दुपट्टे को अपने सिर पर रखें और उसके दोनों किनारों को अपनी चनिया यानि स्कर्ट के किनारों पर टक कर लें। यह तरीका न केवल देखने में अच्छा लगता है,

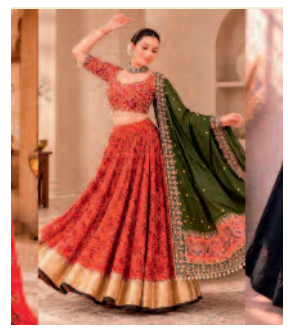

बल्कि नाच-गाना करते समय भी दुपट्टा जगह पर रहता है। अगर आपको सिर पर रखने का मन न करे तो आप इसे कभी भी हटा भी सकती हैं।

कंधे पर डालें : कंधे पर दुपट्टा डालना एक सरल और स्टाइलिश तरीका है, जिससे आप अपने लुक को खास बना सकती हैं। इसके लिए दुपट्टे को अपने एक कंधे पर डालें और उसके दूसरे किनारे को पीठ की तरफ से नीचे ले जाते हुए चनिया में टक कर लें। इससे आपका लुक बहुत ही आकर्षक लगेगा। यह तरीका न केवल देखने में अच्छा लगता है, बल्कि नाच-गाना करते समय भी दुपट्टा जगह पर रहता है और आपको आराम महसूस होता है।

गले में लपेटें : गले में दुपट्टा लपेटना भी एक बेहतरीन तरीका है, जिससे आप अपने लुक को और भी खास बना सकती हैं। इसके लिए दुपट्टे को अपने गले के चारों ओर लपेटें और उसके दोनों किनारों को सामने की तरफ टक कर लें। इससे न केवल आपका गला ढकता है, बल्कि आपका पूरा लुक भी बहुत सुंदर लगता है।

कार्नर न्यूज

सही गहनों का चयन करने से आपका लुक और भी खास बन सकता है

नवरात्रि में डांडिया खेलने जाएं तो चनिया चोली के साथ इन गहनों को करें स्टाइल

नवरात्रि के दौरान गरबा और डांडिया नाइट बहुत खास होती हैं और इस अवसर पर महिलाएं पारंपरिक चनिया चोली पहनती हैं। चनिया चोली को और भी सुंदर दिखाने के लिए साथ में कई पारंपरिक गहने भी पहने जाते हैं। सही गहनों का चयन करने से आपका लुक और भी खास बन सकता है। आइए आज के फैशन टिप्स में आपको ऐसे गहनों के बारे में बताते हैं, जो चनिया चोली के साथ अच्छे लगेंगे।



झुमके

झुमके भारतीय महिलाओं के बीच बहुत पसंद किए जाते हैं। ये न केवल आपके चेहरे को सजाते हैं, बल्कि आपके पूरे लुक को भी खास बनाते हैं। चनिया चोली के साथ बड़े झुमके पहनने से आपका लुक और भी आकर्षक लगेगा। आप सोने, चांदी या फिर कुंदन के झुमके चुन सकती हैं, जो आपके चनिया चोली के रंगों से मेल खाते हों। इससे आपका लुक निखरकर आएगा। इस दौरान ऑक्सीडाइज्ड झुमके सबसे अच्छे लगते हैं।

कंगन

कंगन भारतीय महिलाओं के गहनों में खास स्थान रखते हैं। चनिया चोली के साथ बड़े और रंग-बिरंगे कंगन पहनना एक अच्छा विचार हो सकता है। आप लकड़ी, प्लास्टिक या फिर धातु के बने ऑक्सीडाइज्ड कंगन चुन सकती हैं, जिनपर थोड़ी कढ़ाई की गई हो। ये न केवल आपके हाथों को सजाते हैं, बल्कि गरबा और डांडिया नाइट में आपके लुक को भी खास बनाते हैं। आप कंगन के साथ-साथ चूड़ियां भी सजा सकती हैं।

हार और अंगूठियां

हार और अंगूठियां महिलाओं की सजावट का अहम हिस्सा होती हैं। अगर आप अपनी उंगलियों पर अंगूठियां पहनती हैं तो वह आपके पूरे लुक को खास बनाती हैं। आप सोने, चांदी या फिर कुंदन की अंगूठियां चुन सकती हैं। इसके अलावा हार हर लुक को निखारने में अहम भूमिका निभाते हैं। आपको चनिया चोली के साथ एक लंबा हार और एक चोकर पहनना चाहिए, ताकि आपका लुक सादगी भरा और खास लगे।



नथ

नथ एक ऐसा गहना है, जो आपके चेहरे को खास बनाता है। अगर आप चनिया चोली पहन रही हैं तो नथ पहनना एक अच्छा विकल्प हो सकता है। यह आपके चेहरे की सुंदरता को बढ़ा सकती है और आपको एक अलग ही लुक दे सकती है।

मांग टीका

मांग टीका आपके सिर को सजाने वाला एक खास गहना होता है। अगर आप अपने बालों को खुला छोड़ रही हैं तो मांग टीका जरूर लगाएं। यह आपके पूरे लुक को एक अलग ही अंदाज देता है। आप चांदी या फिर कुंदन की मांग टीका चुन सकती हैं, जो आपके चनिया चोली के रंगों से मेल खाता हो। इससे आपका लुक और भी खास और आकर्षक लगेगा।